सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 219 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 23 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ी अवि मानिकपुरी का भारतीय हॉकी टीम में चयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली युवा हॉकी खिलाड़ी अवि मानिकपुरी का जापान में आयोजित होने वाले अंडर-18 जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है। अवि मानिकपुरी के भारतीय टीम में चयन पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि अवि मानिकपुरी की यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर प्रदेश के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

नदी में मृत मिलीं सैकड़ों मछलियां, बारूद और दूषित पानी से मरने की आशंका

कोरबा। कुसमुंडा क्षेत्र की अहिरन नदी में शनिवार सुबह सैकड़ों मछलियां मृत मिलीं। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने रात में विस्फोटक का प्रयोग किया। विस्फोट से नदी में केमिकल फैलने के कारण बड़े पैमाने पर मछलियां मर गईं। घटना के बाद विकास नगर कॉलोनीवासियों में दहशत फैल गई है। इसी स्थान से कॉलोनी में पीने के पानी की सप्लाई होती है। सुबह नदी किनारे पहुंचने पर लोगों ने सैकड़ों मरी मछलियां तैरती देखीं। नदी का पानी बदरंग था और मौके पर बदबू भी फैल गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि केमिकल के कारण ऑक्सीजन की कमी से मछलियों की मौत हुई। कॉलोनीवासी इस पानी को पीने के लिए भी इस्तेमाल करते हैं। पानी के जहरीला होने का खतरा बढ़ गया है, जिससे गंभीर बीमारी की अफवाह है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल पानी की जांच कराने की मांग की है। मछलियों के मरने का सिलसिला अभी भी जारी है। बच्चे और कुछ ग्रामीण मरी मछलियां बीनकर घर ले जा रहे हैं।

मिशन वात्सल्य योजना : महिला एवं बाल विकास विभाग ने निकाली भर्ती

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग ने मिशन वात्सल्य योजना के तहत विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग की ओर से इच्छुक और पात्र अभ्यर्थियों से 10 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिला बाल संरक्षण इकाई में डाटा एनालिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता और आउटरीच वर्कर के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा बाल संप्रेक्षण गृह में रसोइया के एक पद और चाइल्ड हेल्प लाइन में काउन्सलर व सुपरवाइजर के पदों पर भी नियुक्तियां की जाएंगी। विभाग ने बताया कि भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल और जिले की आधिकारिक वेबसाइट www.raigarh.gov.in पर उपलब्ध कराई गई है।

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल बिक्री पर नए निर्देश, ड्रम-जेरीकेन में बिक्री पर रोक

■ खाद्य विभाग ने कहा- प्रदेश में पेट्रोल डीजल का पर्याप्त स्टॉक, अफवाहों से बचें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने पेट्रोल और डीजल की बिक्री को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने प्रदेश के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अब ईंधन केवल सीधे वाहन की टंकी में ही दिया जाएगा। ड्रम, बोतल और जेरीकेन में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लागू कर दिया गया है।

खाद्य विभाग के अनुसार प्रदेश के 2516 पेट्रोल-डीजल पंपों पर 22 मई 2026 की स्थिति में 4.35 करोड़ लीटर पेट्रोल और 8.15 करोड़ लीटर डीजल का स्टॉक मौजूद है। राज्य को प्रतिदिन आपूर्ति जारी है। 21 मई को ही 32.52 लाख लीटर पेट्रोल और 57.60 लाख लीटर डीजल की प्राप्ति हुई है। लखौली, मंदिर हसौद और गोपालपुर स्थित ऑयल कंपनी डिपो से जिलों को मांग के अनुसार सप्लाई की जा रही है। रबी फसल कटाई और खरीफ की तैयारी के कारण डीजल की मांग बढ़ी इसलिए आपूर्ति बढ़ाई गई है। खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहब कंगाले द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि ड्रम, बोतल या जेरीकेन में पेट्रोल-डीजल बेचने वाले पेट्रोल पंप संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

किसानों को छूट, पैनिक खरीदारी से बचने की अपील

राज्य शासन ने जारी आदेश में सभी पेट्रोल-डीजल पंपों पर ड्रम, बोतल और जेरीकेन में ईंधन की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी है। हालांकि रबी-खरीफ सीजन के लिए किसानों, कलेक्टर द्वारा चिन्हांकित शासकीय निर्माण कार्यों और अस्पताल, मोबाइल टावर जैसी अत्यावश्यक सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। इनके लिए अनुविभागीय अधिकारी के परीक्षण के बाद सुरक्षा मानकों के अनुरूप बिक्री की अनुमति होगी। इससे पहले खाद्य सचिव ने 20 मई को सभी ऑयल कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक कर ड्राई आउट होने वाले पंपों को तत्काल स्टॉक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। सरकार ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अफवाहों से प्रभावित होकर पैनिक खरीदारी या संग्रहण न करें। राज्य में ईंधन की आपूर्ति सुगम बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

सरकार ने कहा है कि नियम तोड़ने पर मोटर स्पिरिट एवं हाई स्पीड डीजल (प्रदाय एवं वितरण विनियमन तथा अनाचार निवारण) आदेश 2005 के तहत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत इसे अप्राधिकृत विक्रय मानते हुए संबंधितों पर प्रकरण दर्ज किया जाएगा। राज्य शासन ने यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है और सभी जिलों को इसके पालन के निर्देश जारी किए गए हैं।

10 दिन में तीसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, 105 रुपए के पार पहुंची कीमतें

देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी गई है। शनिवार को पेट्रोल 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। 10 दिनों के भीतर यह तीसरी बढ़ोत्तरी है। इससे पहले 15 मई और 19 मई को भी पेट्रोल-डीजल के दाम 3-3 रुपए और 90-90 पैसे प्रति लीटर बढ़ाए गए थे। इसके साथ ही राजधानी रायपुर, भिलाई दुर्ग, बिलासपुर आदि प्रमुख शहरों में पेट्रोल के दाम 105 रुपए के पास चले गए हैं।

बढ़ती कीमतों के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण तेल सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ी है। इसके कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोत्तरी तो हो ही रही है। इसका सीधा असर भारत सहित तमाम ऐसे देशों पर पड़ रहा है, जो बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करते हैं। इस बढ़ोत्तरी के बाद राजधानी रायपुर में अब पेट्रोल की कीमत करीब 105.36 रुपए प्रति लीटर पहुंच गई है, जबकि डीजल करीब 98.47 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। दुर्ग भिलाई में पेट्रोल 105.52 रुपए प्रति लीटर और डीजल 98.63 रुपए प्रति लीटर, बिलासपुर में पेट्रोल 105.57 रुपए प्रति लीटर और डीजल 98.69 रुपए प्रति लीटर, जशपुर में पेट्रोल 106.82 रुपए प्रति लीटर और डीजल 100.02 रुपए प्रति लीटर, बस्तर में पेट्रोल 107.04 रुपए प्रति लीटर और डीजल 100.16 रुपए प्रति लीटर तथा राजनांदगांव में पेट्रोल 105.76 रुपए प्रति लीटर और डीजल 98.86 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं।

पीएम मोदी ने 51 हजार युवाओं को दिया नौकरी का नियुक्ति पत्र

■ पीएम मोदी ने कहा- वैश्विक साझेदारी से मिलेंगे रोजगार के अवसर

नईदिल्ली ए.। 19वें रोजगार मेले के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिए हैं। यह कार्यक्रम देश के 47 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। चयनित उम्मीदवारों को रेलवे, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों में नियुक्ति मिली है, जिससे वे अब सरकारी सेवाओं में अपने नए कार्य की शुरुआत करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह अभी 2 दिन पहले ही 5 देशों की यात्रा करके लौटे हैं। इस दौरान उनकी कई बड़ी कंपनियों के नेताओं से बातचीत हुई। उन्होंने महसूस किया कि पूरी दुनिया भारत के प्रभाव और तकनीकी प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित है। आज दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है। भारत भी दुनिया के अलग-अलग देशों के साथ पार्टनरशिप कर रहा है, जिसका उद्देश्य यही है कि भारत के युवाओं को अवसर मिले, रोजगार मिले, उनका सामर्थ्य विकसित हो और साथ ही मैं चाहता हूं कि मेरे देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिले।

सेमीकंडक्टर तकनीक से वैश्विक नेतृत्व की ओर

पीएम मोदी ने कहा कि भारत का लक्ष्य विकसित भारत 2047 के विजन के साथ आगे बढ़ना है। इसके लिए देश हर क्षेत्र में लगातार निवेश कर रहा है, जिससे नए रोजगार पैदा हो रहे हैं। खासकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में पूरी सप्लाई चेन तैयार की जा रही है और आने वाले समय में भारत की 10 प्रमुख सेमीकंडक्टर इकाइयाँ वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगी।

कई मंत्रालयों में मिलेगी नियुक्ति

रोजगार मेले के तहत चयनित उम्मीदवार रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग समेत कई सरकारी विभागों में नियुक्त किए जाएंगे। इसके अलावा अन्य केंद्रीय मंत्रालयों और संगठनों में भी युवाओं को नियुक्ति दी जाएगी।

पीडब्ल्यूडी ने सभी अफसर कर्मियों को को मुख्यालय में रहने के दिए निर्देश

■ ठेकेदारों को हर महीने भुगतान करने को कहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक निर्माण विभाग ने अपने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीओ) से लेकर प्रमुख अभियंता (ईएनसी) तक सभी को मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए हैं। निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित करने, कार्यों की गहन मॉनिटरिंग और स्वीकृत कार्यों को तत्काल प्रारंभ करने के लिए विभाग ने ये निर्देश जारी किए हैं।

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर उन्हें हर महीने भुगतान सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने ठेकेदारों को समय पर भुगतान के लिए प्रमुख अभियंता को एक-एक देयक (बिल) के स्थान पर संबंधित कार्यपालन अभियंताओं को हर तीन महीने के भुगतान के लिए जरूरी राशि आबंटित करने के निर्देश दिए हैं।

सहकार से समृद्धिः नवा रायपुर में छह राज्यों की क्षेत्रीय सहकारिता कार्यशाला संपन्न

■ डेयरी, मत्स्य और बहुउद्देशीय पैक्स को सशक्त बनाने पर मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सहकार से समृद्धि की संकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा नवा रायपुर में पूर्वी क्षेत्र के छह राज्यों की एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय

के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने की। इसमें सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बिहार, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ अधिकारी कार्यशाला में शामिल हुए। यह कार्यशाला ग्रामीण विकास, किसानों की आय वृद्धि और सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। सहकारिता आधारित योजनाओं से गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा किसान, पशुपालक और मत्स्य पालक आत्मनिर्भर बनेंगे।

केंद्रीय योजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक में केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की पहल पर संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सहकारी संस्थाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ। डेयरी, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के गठन और सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया गया। देशभर में 2 लाख नई डेयरी, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय पैक्स समितियों के गठन की दिशा में हो रही प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही विश्व की सबसे बड़ी सहकारी अनाज भंडारण योजना के क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि पैक्स समितियों को केवल ऋण वितरण तक सीमित न रखकर बहुउद्देशीय ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत खाद-बीज वितरण, धान खरीदी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, डेयरी, मत्स्य पालन, वेयरहाउसिंग और ग्रामीण उद्यमिता जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

अगले पांच दिन झुलसाएगी गर्मी, छत्तीसगढ़ में हीटवेव का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के अधिकांश हिस्से तेज धूप और लू की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने रायपुर, बिलासपुर समेत कई जिलों में हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। अगले पांच दिनों तक लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना बेहद कम बताई जा रही है।

प्रदेश में सुबह 10 बजे से ही तेज धूप का असर शुरू हो रहा है, जबकि दोपहर होते-होते गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं। हालात ऐसे हैं कि शाम तक गर्मी का असर बना रहता है।

मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले तीन दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। बस्तर संभाग में 26 मई से बारिश की गतिविधियां शुरू होने के संकेत हैं, जबकि मध्य छत्तीसगढ़ में 29 मई के बाद मौसम बदल सकता है।

राजधानी रायपुर में शनिवार को भी आसमान साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के आसपास रहने की संभावना जताई है। शुक्रवार को दुर्ग प्रदेश का सबसे गर्म इलाका रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रायपुर में 44.2 डिग्री, बिलासपुर में 44 डिग्री, जगदलपुर में 42.4 डिग्री और अंबिकापुर में 41.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ।

छत्तीसगढ़ के लाल अनीमेश ने रचा इतिहास 100 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली युवा एथलीट अनीमेश कुजुर ने रांची में आयोजित नेशनल फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में 10.15 सेकेंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया है।

अनीमेश की इस ऐतिहासिक सफलता पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि अनीमेश ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से न केवल नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

विवाहिता की मौत का रहस्य गहराया चार दिन बाद कब्र से निकाला गया शव

कोरबा। के उरगा थाना क्षेत्र के भलपहरी गांव में विवाहिता विनीता पाटले की मौत का मामला अब और संदिग्ध हो गया है। दफ्न के चार दिन बाद शुक्रवार को भारी पुलिस बल, तहसीलदार, स्वास्थ्य विभाग और फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में कब्र से शव निकालकर पोस्टमार्टम कराया गया। मायके पक्ष ने पति मुकेश पाटले, सास-ससुर पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाया है।

बता दें कुछ दिनों पहले विनीता की अचानक तबियत बिगड़ी और उसका उपचार चल रहा था जहां इलाज के दौरान मौत हो गई ससुराल में उसका अंतिम संस्कार किया गया। वहीं मौत के चार दिन बाद विनीता के घर वालों ने पति और उसके घर वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए मौत को संदिग्ध बताया। जहां शिकायत के बाद उसकी कब्र की खुदाई की गई। उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच कराई गई है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। अब पूरा मामला पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट पर टिका है, जो तय करेगी कि विनीता की मौत बीमारी से हुई या दहेज प्रताड़ना ने उसकी जान ली।

संपादकीय

मां-बाप का हक

देखभाल करना नैतिक-कानूनी जिम्मेदारी

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं।

> "जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं।

दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अत: इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट-कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे। यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया। यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त-प्रताड़ित माता-पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं। अदालतों द्वारा माता-पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को सुदृढ़ ही किया है। न्यायपालिका ने संपत्ति के अधिकार के साथ ही कल्याण संबंधी चिंताओं को भी सावधानीपूर्वक संतुलित किया है। न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पारिवारिक झगड़ों में कानून का दुरुपयोग न हो। लेकिन फिर भी संकट का समाधान सिर्फ कानून से संभव नहीं है। हाईकोर्ट का फैसला संदेश देता है कि विरासत पर बातचीत हो सकती है, लेकिन मानवता पर नहीं।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर संजीवनी बना डायल 1033

कल्पना कीजिए, आप एक खूबसूरत सफर पर हैं। चारों तरफ फैली खुली शानदार सड़क, रफ्तार पकड़ती गाड़ी और गुनगुनाता सुहाना मौसम। सब कुछ एकदम मुकम्मल लगता है। लेकिन अचानक, अगले ही मोड़ पर कोई अनहोनी हो जाए.। कई बार हाइवे पर हुआ एक अनचाहा हादसा पल भर में जिंदगी की खुशियों को मातम में बदल देता है। ऐसे किसी अनजान और सुनसान सफर पर, जहां दूर-दूर तक कोई अस्पताल या मदद नजर नहीं आती, वहां मोबाइल की स्क्रीन पर चमकता एक नंबर उम्मीद की सबसे बड़ी किरण बनकर उभरता है- 1033। आज देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह चार अंकों का नंबर महज एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि हजारों-लाखों मुसाफिरों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है।

संकट के समय फरिश्ता बनती है एक कॉल

हाइवे पर दुर्घटना होने के बाद जो सबसे पहला घंटा होता है, उसे चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर (Golden Hour) कहा जाता है। इस एक घंटे के भीतर अगर घायल को सही इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना 80 फीसदी तक बढ़ जाती है। 1033 इसी गोल्डन ऑवर का रक्षक है। जैसे ही कोई इस नंबर पर डायल करता है, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरणका कॉल सेंटर तुरंत हरकत में आ जाता है। जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए हादसे की सटीक लोकेशन ट्रेस की जाती है और चंद मिनटों के भीतर एम्बुलेंस मौके पर पहुंचती है। घायलों को नजदीकी ट्रॉमा सेंटर या अस्पताल पहुंचाया जाता है। साथ ही रास्ता साफ करने के लिए क्रेन और पेट्रोलिंग गाड़ियां तैनात हो जाती हैं।

महज 7 से 10 मिनट में आ गई एम्बुलेंस

एनएचएआई के 1033 सेवा का लाभ लेने वाले नितिन वर्मा बताते हैं, मैं रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में सफर कर रहा था। दोपहर 2 बजे के करीब हाइवे पर मेरी गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ, मोबाइल में नेटवर्क भी कम था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहां हूं? मैंने 1033 लगाया, और महज 7 से 10 मिनट में एम्बुलेंस मेरे सामने थी। वो नंबर नहीं, मेरे लिए संजीवनी से कम नहीं था।

सिर्फ हादसा नहीं, हर मुश्किल का हल है 1033

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि यह नंबर सिर्फ एक्सीडेंट के समय काम आता है, लेकिन असल में यह हाइवे पर आपका सबसे भरोसेमंद साथी है। आप कई विपरीत स्थितियों में भी इसकी मदद ले सकते हैं। रात के सन्नाटे में अगर गाड़ी का टायर पंचर हो जाए या इंजन फेल हो जाए, हाइवे पर कोई पेड़ गिर गया हो, मवेशी आ गए हों या कोई भारी मलबा पड़ा हो, यात्रा के दौरान अगर अचानक किसी सहयात्री की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ जाए, टोल प्लाजा या फास्टैग संबंधी कोई समस्या हो या हाइवे पर असुरक्षा महसूस हो रही हो तो भी 1033 सेवा का लाभ लिया जा सकता है।

रात के सन्नाटे में भारी ट्रक का टायर फटा 1033 ने दी राहत

ट्रक ड्राइवर गुरदीप सिंह अपने अनुभव साझा करते हैं, बात रात के करीब 09:45 बजे की है। मैं अपना भारी-भरकम ट्रक लेकर रायपुर से बिलासपुर की ओर बढ़ रहे था। अचानक एक जोरदार आवाज के साथ ट्रक का टायर फट गया। भारी वाहन और ऊपर से रात का सन्नाटा ऐसी स्थिति में हाइवे के किनारे ट्रक खड़ा करना और मदद ढूंढना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। मैने बिना वक्त गंवाए 1033 पर कॉल किया। एनएचएआई की टीम ने तुरंत मेरी लोकेशन ट्रेस की और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने न सिर्फ क्रेन और तकनीकी मदद का इंतजाम किया, बल्कि जब तक काम पूरा नहीं हुआ, वहां सुरक्षा सुनिश्चित की, ताकि कोई और बड़ा हादसा न हो।

जब जाम हो गया चक्का तो पेट्रोलिंग टीम ने बढ़ाया मदद का हाथ

बिलासपुर-नागपुर रूट के मुसाफिर एस.पी. चौबे ने बताया, हम अपनी कार से सफर कर रहे थे कि अचानक गाड़ी पंचर हो गई। जब स्टेपनी बदलने की बारी आई, तो एक नई मुसीबत खड़ी हो गई। बहुत दिनों से पहिया खुला नहीं था, इसलिए वह बुरी तरह जाम हो चुका था। मेरा ड्राइवर पसीने से तर-बतर होकर उसे खोलने की नाकाम कोशिश कर रहा था, लेकिन वह टस से मस नहीं हो रहा था। हाइवे के किनारे खड़ी हमारी गाड़ी और ड्राइवर की जद्दोजहद को वहां से गुजर रही 1033 की रूट पेट्रोलिंग व्हीकल टीम ने खुद देख लिया। टीम के जवान तुरंत हमारे पास रुके। उन्होंने न सिर्फ अपनी गाड़ी से जरूरी हैवी टूल्स (औजार) निकाले, बल्कि खुद आगे बढ़कर जाम हो चुके चक्के को खोला, टायर बदला और हमारी गाड़ी को रवाना किया। उनके इस अपनेपन और मुस्तैदी ने हमारा दिल जीत लिया।

भारी ट्रेलर का ब्रेक हुआ जाम, मुस्तैदी से टला बड़ा खतरा

हाइवे पर सुरक्षा सिर्फ छोटे वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारी-भरकम कमर्शियल वाहनों के लिए भी 1033 एक सुरक्षा कवच है। ऐसा ही एक मामला बिलासपुर से महासमुंद की ओर जा रहे विशाल ट्रेलर के ड्राइवर शिवम यादव के साथ हुआ। उनके ट्रेलर का ब्रेक अचानक जाम हो गया और गाड़ी में जरूरी एयर प्रेशर नहीं बन पा रहा था। बीच हाइवे पर इतने बड़े वाहन का इस तरह रुकना बेहद खतरनाक था। सूचना मिलते ही 1033 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। भारी ट्रेलर के पीछे से आ रही तेज रफ्तार गाड़ियों को सचेत करने के लिए टीम ने सेफ्टी कोन और चेवरॉन साइन बोर्ड लगाए, ताकि एक सुरक्षित बफर जोन बन सके। इस हाई-प्रोफेशनल ट्रैफिक मैनेजमेंट की वजह से न तो हाइवे पर जाम लगा और न ही कोई दुर्घटना हुई। ट्रेलर को सुरक्षित तरीके से सुधरवाने की व्यवस्था की गई।

सरल, आसान और सुविधाजनक

1033 की सबसे खास बात इसकी सरलता और गति है। यह सेवा 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। इसमें भाषा की कोई दीवार नहीं है। स्थानीय भाषाओं से लेकर हिंदी और अंग्रेजी, हर भाषा में यहां मदद मिलती है। टोल-फ्री होने के कारण मोबाइल में बैलेंस न होने पर भी इस पर कॉल की जा सकती है।

बदलते भारत के साथ हमारे हाइवे आधुनिक और हाई-स्पीड हो रहे हैं, लेकिन रफ्तार के इस दौर में सुरक्षा सबसे अहम है। अगली बार जब आप किसी लंबे सफर पर निकलें, तो अपनी गाड़ी की डिक्की चेक करने के साथ-साथ अपने दिमाग और मोबाइल की स्पीड डायल लिस्ट में 1033 को जरूर सेव कर लें। क्योंकि जब हाइवे पर मुश्किलें रास्ता रोकती हैं, तो यही चार अंक संजीवनी बनकर जिंदगी की रफ्तार को थमने नहीं देते।

आत्मविश्वास जरूरी पर इसे भी लगातार 'रिन्यू' करना होता है

डॉ. राम चरण

दुनिया में छह दशकों तक सीईओ और निदेशक मंडलों को परामर्श देने के दौरान मैंने लगातार एक ऐसी विशेषता देखी है, जो ग्रेट लीडर्स को गुड लीडर्स से अलग करती है। वह बुद्धिमत्ता नहीं है। रणनीति नहीं है। वह केवल अनुभव भी नहीं है। वह है- आत्मविश्वास। अहंकार नहीं। दिखावटी दु:साहस नहीं। आत्मविश्वास।

आत्मविश्वास हमारी 'बीइंग' की एक दशा है। यह अपनी क्षमताओं की गहरी समझ और उस परिवेश की स्पष्ट पहचान से उत्पन्न होता है, जिसमें व्यक्ति काम करता है। यह वह आश्वस्ति है, जो अपनी शक्तियों को स्पष्ट रूप से जानने और अपनी सीमाओं को ईमानदारी से स्वीकारने से आती है। और यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी सीमाओं को आपकी राह का अवरोध नहीं बनना चाहिए। उन्हें आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

कई लीडर्स आत्मविश्वास को निश्चितता समझने की भूल करते हैं। दोनों एक नहीं हैं। निश्चितता कहती है : मुझे ठीक-ठीक पता है क्या होने वाला है। आत्मविश्वास कहता है : मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि क्या होने वाला है, लेकिन मुझे यह विश्वास है कि मैं उसका सामना करने और उसे हैंडल करने की क्षमता रखता हूं। आज की दुनिया में यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वास्तविक आत्मविश्वास का निर्माण करने वाली तीन बातें हैं। पहली, ज्ञान और विशेषज्ञता। जब आप अपने क्षेत्र को गहराई और विशिष्टता के साथ वास्तव में समझते हैं, तब आपको आत्मविश्वास का प्रदर्शन करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वह स्वाभाविक रूप से उपस्थित होता है। तैयारी ही आत्म-आश्वस्ति की नींव है। जिस लीडर ने जमकर काम किया है, उसे दिखावा करने की जरूरत नहीं होती।

दूसरी, अनुभव और उससे प्राप्त सीख। हर चुनौती जिसका आप सामना करते हैं, हर झटका जिसे आप सहते हैं, हर निर्णय जो आप दबाव में लेते हैं- यह सब आपकी नींव को मजबूत करता है। जिसने कठिनाइयों का सामना किया है और उनसे निकलकर आगे बढ़ा है, उसके आत्मविश्वास की प्रकृति उस व्यक्ति से बिल्कुल अलग होती है, जिसने केवल सहज परिस्थितियां ही देखी हों। अपने कठिन क्षणों को व्यर्थ मत जाने दीजिए। उनसे अपने लिए कुछ सीख भी हासिल कीजिए।

तीसरी, आत्म-जागरूकता। यह जानिए कि आप किस चीज में अच्छे हैं। यह भी जानिए कि किन क्षेत्रों में आपको दूसरों की आवश्यकता है। जो लीडर यह दिखावा करता है कि उसमें कोई कमजोरी नहीं है, वह किसी को धोखे में तो नहीं रख पाता, लेकिन स्वयं भी कुछ सीख नहीं पाता है।

जो लीडर अपनी शक्तियों और सीमाओं दोनों को स्पष्ट रूप से देखता है, उसी का आत्मविश्वास सबसे स्थायी होता है। एक और बात याद रखें : आत्मविश्वास स्थिर नहीं, बल्कि गतिशील होता है। यही वह बात है जिसे बहुत से लोग समझ नहीं पाते। आत्मविश्वास ऐसी चीज नहीं है, जिसे एक बार हासिल कर लेने के बाद हमेशा के लिए अपने पास रखा जा सके। यह गतिशील है। इसे आपके साथ निरंतर विकसित होना पड़ता है। दुनिया जिस गति से बदल रही है, उसका इतिहास में कोई उदाहरण नहीं मिलता।

नई तकनीकें, नई भू-राजनीतिक वास्तविकताएं और नए व्यावसायिक मॉडल लगातार उभर रहे हैं। आज के आत्मविश्वासी लीडर को इसके लिए तैयार रहना होगा कि वो जो काम कल करता था, उसे भूल सके; जो आज सत्य है, उसे आत्मसात कर सके; और जो कल आवश्यक होगा, उसके लिए अपनी क्षमता विकसित कर सके।

कॉकरोचों की तो हो गयी बल्ले-बल्ले

आज उसी कॉकरोच की बल्ले-बल्ले है। उसके नाम से एक पार्टी बन गयी है-कॉकरोच जनता पार्टी। बताते हैं कि चार-पांच दिन में ही उसकी सदस्यता पचास लाख को पार कर गयी है।

जिन्हें सारी दुनिया खत्म करने पर आमादा है, जो घृणित हैं, लिजलिजे और गिजगिजे हैं, जिन्हें देखते ही उबकाई आती है, आज उन्हीं की बल्ले-बल्ले है। जी हां, कॉकरोचों यानी तिलचट्टों की ही बात हो रही है। दुनिया में सबसे पहला जीव तो पता नहीं कौन-सा था, लेकिन कहते हैं कि सबसे आखिरी जीव यह कॉकरोच ही होगा। परमाणु बम सारी दुनिया को खत्म कर देंगे, लेकिन वे कॉकरोच को खत्म नहीं कर पाएंगे। फिर यह काला-पीला हिट उसका क्या बिगाड़ लेंगे।

मनुष्य तो शाश्वत नहीं है, यह तो सर्वविदित है। मनुष्यता के सारे ज्ञान का, सारे दर्शन का सार यही है। लेकिन लगता है कि कॉकरोच अवश्य ही शाश्वत है। शाश्वत नहीं तो मनुष्य से ज्यादा जीवटवाला तो अवश्य ही है। परमाणु बम के सामने भी वह डटा रहेगा, जबकि मनुष्य भाप बनकर उड़ जाएगा, धुआं-धुआं हो जाएगा। फिर भी वह लिजलिजा तो है, घृणित तो है। जिन लोगों से घृणा की जाती है, उनकी तुलना कॉकरोचों से ही की जाती है। शायद इसीलिए हिटलर यहूदियों को कॉकरोच वगैरह ही कहा करता था। हिटलर तो खत्म हो गया, लेकिन कॉकरोच बचा रहा। लेकिन आज उसी कॉकरोच की बल्ले-बल्ले है। उसके नाम से एक पार्टी बन गयी है-कॉकरोच जनता पार्टी। बताते हैं कि चार-पांच दिन में ही उसकी सदस्यता पचास लाख को पार कर गयी है। कभी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होती थी। फिर भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी। लेकिन अब लगता है कॉकरोच जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी। इंस्टाग्राम पर तो बताते हैं कि यह पार्टी कांग्रेस और भाजपा को पहले ही पछाड़ ही चुकी है। बताते हैं कि इतने दिन में ही उसके डेढ़ करोड़ फॉलोअर्स हो गए। और इसका श्रेय जाएगा हमारे मुख्य न्यायाधीश महोदय को। न तो वे युवाओं और बेरोजगारों को कॉकरोच कहते और न यह पार्टी अस्तित्व में आती। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट भी कर दिया है कि उन्होंने युवाओं को कॉकरोच नहीं कहा। लेकिन इतने में ही पार्टी तो बन गयी। उनकी सफाई का इंतजार कौन करता।

इस मामले में अमित शाहजी पिछड़ गए। वे भी घुसपैठियों को टर्माइट यानी दीमक कहते रहे हैं। लेकिन इसका श्रेय उन्हें नहीं मिला कि कोई टर्माइट पार्टी बना लेता। खैर जी, कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले में एक दूसरी पार्टी भी बन चुकी है-पैरासाइट पार्टी यानी परजीवी पार्टी और इसका श्रेय भी मुख्य न्यायाधीश को ही जाएगा। इतिहास उन्हें दो-दो पार्टियों के प्रेरक के रूप में याद करेगा। नहीं क्या?

तारीख पर तारीख से मुक्ति की पहल

डॉ. सुधिर कुमार

यदि हम स्वचालित प्रणालियों और जवाबदेह कार्यशैली को अपनाते हैं, तो न्याय का रथ तारीखों के बोझ से मुक्त होकर मानवीय गरिमा और त्वरित तर्क के पथ पर अग्रसर होगा। यह केवल एक आदेश नहीं, बल्कि भारतीय न्याय प्रणाली के पुनरुद्धार का एक महा-संकल्प है।

न्याय के गलियारों में गूंजती 'तारीख पर तारीख' की प्रतिध्वनि दरअसल उस आम आदमी की सिसकी है, जिसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता फाइलों के बोझ तले दम तोड़ रही है। फिल्म 'दामिनी' का वह मशहूर संवाद 'तारीख पर तारीख मिलती रही है माय लॉर्ड, लेकिन इंसाफ नहीं मिला' महज एक फिल्मी लाइन नहीं, बल्कि भारत की अदालतों की उस कड़वी हकीकत का जीवंत दस्तावेज़ है, जिससे हर रोज़ देश का आम नागरिक गुज़रता है। 'न्याय में देरी, न्याय से वंचित होना है'—यह कहावत भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी चुनौती रही है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने इस विसंगति को जड़ से मिटाने के लिए एक क्रांतिकारी पहल की है।

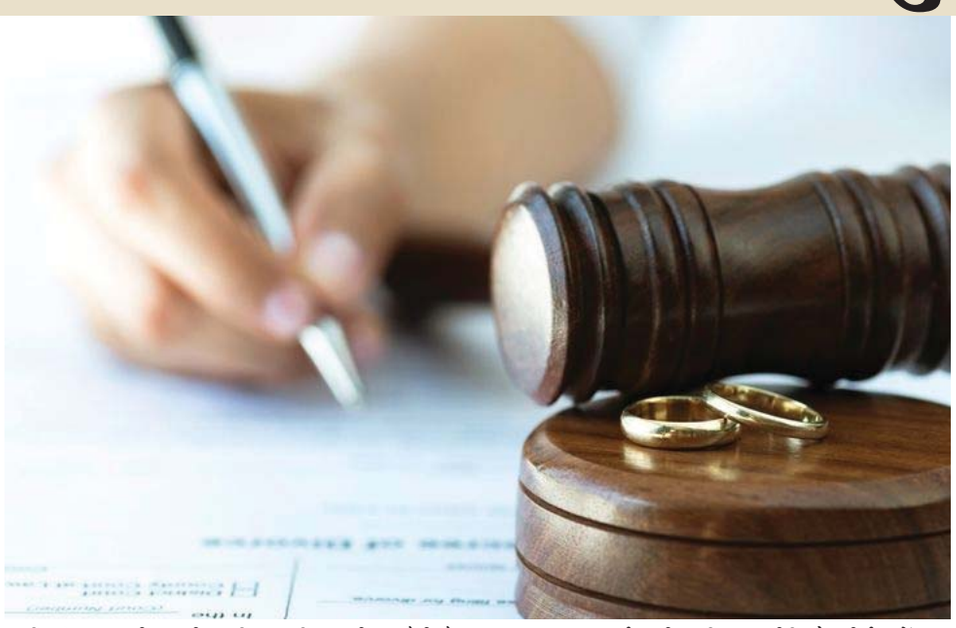

हाल ही में माननीय उच्चतम न्यायालय की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने स्पष्ट किया है कि जमानत याचिकाओं में अनावश्यक देरी न केवल कानूनी विफलता है, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त 'प्राण और दैहिक स्वतंत्रता' के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। 'मेनका गांधी बनाम भारत संघ' के ऐतिहासिक मामले में स्थापित यह सिद्धांत कि 'कानूनी प्रक्रिया उचित, न्यायपूर्ण और तर्कसंगत होनी चाहिए', आज भी हमारी न्यायिक शुचिता की कसौटी है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट जैसे बड़े न्यायालयों में संसाधनों की भारी कमी और न्यायिक ढांचे पर अत्यधिक दबाव चिंताजनक है, जहां एक न्यायाधीश को प्रतिदिन औसतन 200 जमानत याचिकाओं की सुनवाई करनी पड़ती है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस अरुण कुमार जायसवाल ने 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर तीखी टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि इस न्यायिक देरी का अनुचित लाभ उठाकर कई दागी व्यक्ति राजनीति के शीर्ष पदों तक पहुंच जाते हैं। न्यायालय ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि देरी के लिए केवल न्यायपालिका ही नहीं, बल्कि पुलिस द्वारा समय पर फोरेंसिक रिपोर्ट और गवाहों को पेश न करना भी समान रूप से जिम्मेदार है।

कानूनी परिप्रेक्ष्य में 'स्टेट ऑफ राजस्थान बनाम बालचंद (1977)' के तहत जस्टिस कृष्ण अय्यर का यह सिद्धांत सर्वोपरि है कि 'जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद'। भारतीय न्यायशास्त्र के अनुसार जब तक दोष सिद्ध न हो, व्यक्ति निर्दोष है। इसके बावजूद, 'तारीख पर तारीख' के चक्रव्यूह में फंसकर विचाराधीन कैदी बिना किसी अपराध के वर्षों जेल में काट देते हैं। इसी न्यायिक जड़ता को तोड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अब जमानत मामलों को हर हफ्ते या अधिकतम दो हफ्ते में लिस्ट करने का निर्देश दिया है। 'सत्येंद्र कुमार अंतिल बनाम सीबीआई (2022)' मामले में भी अदालत ने साफ कहा था कि जमानत में देरी नागरिक की गरिमा पर सीधी चोट है।

विकसित देशों में जमानत प्रक्रिया भारत की तुलना में अधिक त्वरित और तकनीक-केंद्रित है। यूनाइटेड किंगडम में 'बेल एक्ट 1976' के तहत जमानत एक वैधानिक अधिकार है, जिस पर अदालतें कुछ ही घंटों या दिनों में निर्णय लेती हैं । संयुक्त राज्य अमेरिका में 'एक्चुअरियल रिस्क असेसमेंट' और एल्गोरिदम जैसे तकनीकी टूल्स का उपयोग न्यायाधीशों को वस्तुनिष्ठ निर्णय लेने और प्रक्रिया को तेज करने में मदद करता है। इसी दिशा में भारतीय सुप्रीम कोर्ट भी अब 'ऑटोमेटिक लिस्टिंग सिस्टम' पर जोर दे रहा है।

इस न्यायिक जड़ता को तोड़ने के लिए 'मद्रास उच्च न्यायालय' की कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय मॉडल बनाना होगा। व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा हेतु 'विशेष जमानत अदालतें' या समर्पित 'स्वतंत्रता बेंच' का गठन समय की मांग है। सुधार का दूसरा अनिवार्य स्तंभ 'संस्थागत जवाबदेही' है। जांच एजेंसियों और अभियोजन पक्ष के लिए जवाब दाखिल करने हेतु 72 घंटे से 7 दिनों की सख्त समय-सीमा तय हो। सरकारी पक्ष द्वारा समय मांगे जाने पर 'कॉस्ट इम्पाउन्डिंग' जैसे दंडात्मक उपाय लागू होने चाहिए। साथ ही, अधूरी चार्जशीट और विलंबित जांच पर अंकुश लगाना होगा, जो 'तारीख पर तारीख' का मुख्य कारण हैं।

जरूरी है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से एक ऐसा 'केस मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित हो, जहां हर मुकदमे का 'लाइफ-साइकिल' पहले से निर्धारित हो। ई-फाइलिंग और अनिवार्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रशासनिक एवं भौतिक पेशी की बाधाएं स्वत: समाप्त हो जाएंगी। न्याय को मानवीय संवेदनाओं की कसौटी पर कसना होगा। भारी मुचलके न भर पाने के कारण जेलों में बंद गरीब कैदियों के लिए 'पर्सनल बॉन्ड' को प्राथमिकता देना एक साहसी कदम होगा। जब जांच, तकनीक और मानवीय गरिमा का संगम होगा, तभी न्याय की ड्योढ़ी पर आम आदमी का विश्वास बहाल हो सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप लोकतंत्र की जीवंतता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षण का प्रतीक है। 'तारीख पर तारीख' के फिल्मी संवाद को हकीकत में बदलने के लिए प्रशासनिक जटिलताओं को खत्म करना और 'जेल नहीं, जमानत' के सिद्धांत को धरातल पर उतारना अनिवार्य है। यदि हम स्वचालित प्रणालियों और जवाबदेह कार्यशैली को अपनाते हैं, तो न्याय का रथ तारीखों के बोझ से मुक्त होकर मानवीय गरिमा और त्वरित तर्क के पथ पर अग्रसर होगा। यह केवल एक आदेश नहीं, बल्कि भारतीय न्याय प्रणाली के पुनरुद्धार का एक महा-संकल्प है।

लेखक कुरुक्षेत्र वि.वि. के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

पहली बार ट्रेन में बैठे 1500 आदिवासी, बोले-पहले डर लगा, फिर मजा आया

भिलाई। आजादी के 75 साल बाद पहली बार बस्तर, कोंडागांव और नारायणपुर के करीब 1500 आदिवासी महिलाओं-पुरुषों ने रेल यात्रा की। उनके चेहरों पर डर भी था, उत्सुकता भी और एक नई दुनिया देखने की चमक भी। ताड़ोकी से दुर्ग तक उनके लिए विशेष मेमू ट्रेन चलाई गई, जो सुबह 11 बजे दुर्ग स्टेशन पहुंची। स्टेशन पर तिलक लगाकर और आरती उतारकर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। ट्रेन में बैठने के बाद उनमें खिड़की के पास बैठने या खड़े रहने को लेकर होड़ लग गई। ट्रेन की खिड़की से तेजी से पीछे भागती धरती को देखना उनके लिए एक बेहद रोमांचकारी अनुभव था।

इन गलतियों के चलते अकसर फेल हो जाते हैं स्टार्ट्प - प्रदीप

भिलाई। आजकल फ्रेश ग्रेजुएट स्टार्टअप खोल बैठते हैं और थोड़े ही समय में फेल भी हो जाते हैं। दरअसल उन्हें फील्ड का कोई अनुभव नहीं होता। कंपनी कैसे चलती है मालूम नहीं। इसलिए पहले अनुभव लेना बहुत जरूरी है। यह बातें द इंडस आंत्रप्रेन्योर्स के ग्लोबल को-लीड और वाइस प्रेसीडेंट टाई कोएंबतुर प्रदीप युवराज ने कहीं। वे रूंगटा यूनिवर्सिटी की आंत्रप्रेन्योरशिप इकाई द्वारा कराए गए सेमीनार में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि, सिर्फ पैसा कमाने या नाम और पहचान के लिए स्टार्टअप गुड आइडिया नहीं है। स्टार्टअप तभी सफल होते हैं जब आइडिया नया हो और उसे करने के लिए जुनून भी हो।

10 से 14 साल के बच्चों को संस्कृति मंत्रालय देगा स्कॉलरशिप, 31 तक आवेदन

भिलाई। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन काम करने वाले सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग (सीसीआरटी) ने सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना 2026-27 के लिए आवेदन मांगे हैं। योजना में शामिल होने के लिए बच्चे की उम्र 10 से 14 साल के बीच होनी चाहिए। बच्चा कला के किसी भी क्षेत्र (जैसे- शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य, नाटक, चित्रकारी, या पारंपरिक शिल्प कला) में माहिर होना चाहिए। बच्चे ने इस कला में पहले से कुछ बुनियादी ट्रेनिंग या शुरुआती ज्ञान हासिल किया हो। योग्य छात्र अपने स्कूल के हेडमास्टर या प्राचार्य से संपर्क कर सकते हैं। आवेदन फॉर्म के साथ कला क्षेत्र के गुरु/शिक्षक का प्रमाण पत्र और स्कूल की तरफ से वेरिफिकेशन जरूरी होगा। सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ भरा हुआ फॉर्म 31 मई से पहले जमा करना होगा। देर से मिलने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जेआरडी मल्टीपर्पस स्कूल का होगा संरक्षण, यहां से निकले विद्यार्थियों ने सेवा के प्रत्येक क्षेत्र में गाड़े हैं झंडे

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। ऐतिहासिक जेआरडी मल्टीपरपस स्कूल के संरक्षण और शैक्षणिक उन्नयन को लेकर प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने शिक्षा विभाग और आरईएस के अधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। श्री यादव भी इसी स्कूल से पढ़े हैं।

आजादी से पूर्व स्थापित इस विद्यालय से दुर्ग शहर की कई पीढ़ियों की भावनात्मक स्मृतियां जुड़ी हुई हैं। यहां से निकले विद्यार्थी खेल, साहित्य, पत्रकारिता, कला, पुलिस, सेना, राजनीति और प्रशासनिक सेवाओं में जाकर अपनी छाप छोड़ा है।

यह विद्यालय न केवल शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है, बल्कि शहर की सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की वर्तमान स्थिति, आवश्यक मरम्मत, संरचनात्मक मजबूती तथा उसके मूल स्वरूप और ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने विस्तृत चर्चा की गई।

शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि जेआरडी स्कूल केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि दुर्ग शहर की विरासत और पहचान है। यहां से पढ़कर निकले विद्यार्थी आज देश-प्रदेश के अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इससे इन लोगों की यादें जुड़ी हैं।

आरईएस विभाग के इंजीनियरों ने जानकारी दी कि टैगोर हॉल का रेनोवेशन करते हुए इसे सुसज्जित किया जाएगा तथा इसमें अटैच बाथरूम सहित आवश्यक सुविधाओं का निर्माण भी किया जाएगा।

शीतला मंदिर के डोम शेड में लगा 'सुशासन तिहार' का शिविर, मांग-शिकायत के कुल 621 प्रकरण आए

सर्वाधिक 498 मामले योजनाओं से जुड़ी मांग के संबंध में प्राप्त किए गए

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल 'सुशासन तिहार 2026' के अंतर्गत जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने हेतु आज दिनांक 22 मई 2026, शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 37 शीतला मंदिर डोम शेड में 'जन समस्या निवारण शिविर' का आयोजन किया गया है। जिसमें नागरिकों द्वारा मांग 498 शिकायत 123 इस प्रकार कुल 621 आवेदन जमा किया गया है।

इस शिविर में वार्ड क्रमांक 30 प्रगति नगर, 31 मदर टेरेसा नगर, 32 बैकुण्ठधाम सुन्दर नगर, 33 संतोषी पारा केम्प-2, 34 वीर शिवाजी नगर, 35 शारदा पारा, 36 श्याम नगर, 32 संत रविदास नगर, 52 सेक्टर-3, 53 सेक्टर-1 उत्तर, 54 सेक्टर-1 दक्षिण, 55 सेक्टर-2 पूर्व एवं 56 सेक्टर-2 पश्चिम के नागरिक शामिल होकर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का निराकरण तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने आवेदन भी जमा किये हैं।

शिविर में राष्ट्रीय आयुष मिशन, मेडिकल स्वास्थ्य विभाग, एमएमयू चलित स्वास्थ्य शिविर, महिला एवं बाल विकास विभाग, उज्ज्वला योजना, पशुधन विभाग, राशन कार्ड, पेयजल एवं जल कार्य, लोक कर्म विभाग, नामांतरण एवं लीज डीड फ्री-होल्ड, राष्ट्रीय पेंशन योजना, जन स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, समाज कल्याण विभाग, आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग, श्रम विभाग, ई-श्रमिक कार्ड, पुलिस सहायता केन्द्र तथा जन मित्र योजना सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। सुशासन शिविर में नागरिक अपनी समस्या को लेकर संबंधित काउंटर पर जाकर आवेदन भरकर जमा किये है, जिसका जल्द निराकरण किया जायेगा।

शहीद उद्यान एवं वृक्षारोपण के लिए निगम आयुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-5 अंतर्गत शहीद उद्यान सहित वृक्षारोपण स्थल का गहन निरीक्षण किये। अधिकारियों को उद्यान में आवश्यक सुधार कराने निर्देशित किये है।

निगम आयुक्त ने शहीद उद्यान का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था में सुधार लाने कहा गया है, जिससे आने वाले नागरिको एवं बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही आवश्यक संधारण भी समय पर कराने निर्देशित किये हैं। शहिद उद्यान के अन्य व्यवस्थाओं को बारीकी से निरीक्षण किया गया यथाशीघ्र व्यवस्था सुधार हेतु निर्देशित किए हैं। जोन कार्यालय के पास रिक्त स्थल का अवलोकन किये और आगामी बरसात में हरियाली को दृष्टिगत करते हुए सघन वृक्षारोपण कराने कहा गया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं वायु प्रदुषण में सुधार लाया जा सके। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अजय गौर, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, स्वच्छता निरीक्षक सूर्यादास उपस्थित रहे।

फर्जी टैक्स वसूली पर ब्रेक लगाने निगम ने अधिकारियों को जारी किये आई-कार्ड, ऑनलाइन भुगतान की समझाइश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा करदाताओं के हितों की सुरक्षा एवं फर्जी टैक्स वसूली की शिकायतों पर रोक लगाने के उद्देश्य से राजस्व विभाग में कार्यरत सहायक राजस्व निरीक्षकों को आधिकारिक पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं। निगम प्रशासन की इस पहल से अब करदाता आसानी से निगम के अधिकृत कर्मचारियों की पहचान कर सकेंगे तथा फर्जी व्यक्तियों द्वारा टैक्स वसूली के नाम पर होने वाले फर्जीवाड़े पर प्रभावी अंकुश लग सकेगा।

बैठक में आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम द्वारा कर संग्रहण कार्य में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा नियुक्त अधिकृत कर्मचारी ही टैक्स संग्रहण कार्य करेंगे और सभी कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं।

बैठक में राजस्व अधिकारी आरके बोरकर सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि टैक्स भुगतान करने से पहले संबंधित कर्मचारी का पहचान पत्र अवश्य देखें और सत्यापन के बाद ही राशि जमा करें।

आयुक्त ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति बिना पहचान पत्र के टैक्स राशि की मांग करता है, तो उसकी जानकारी तत्काल संबंधित वार्ड पार्षद अथवा नगर निगम कार्यालय से सत्यापित करें। यदि मामला फर्जी पाए जाने की पुष्टि होती है तो तत्काल पुलिस को भी सूचना दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा, पारदर्शी कर व्यवस्था और फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए आगे भी आवश्यक कदम लगातार उठाए जाते रहेंगे।

नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर के समस्त करदाताओं से अपील की गई है कि वे करों का भुगतान अधिक से अधिक ऑनलाइन माध्यम से करें।

निगम क्षेत्र में संपत्तियों का जीआईएस सर्वे प्रारंभ, कर निर्धारण में आएगी पारदर्शिता

नागरिकों से सर्वे में सहयोग करने की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत शहर के सुव्यवस्थित विकास एवं कर व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जी.आई.एस. (जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम) सर्वे का कार्य प्रारंभ किया गया है। सर्वे के माध्यम से निगम क्षेत्र की सभी संपत्तियों, भवनों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य परिसंपत्तियों का डिजिटल डाटा तैयार किया जाएगा।

निगम प्रशासन द्वारा नियुक्त सर्वे टीम वार्डों में घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित कर रही है। सर्वे के दौरान संपत्ति का माप, उपयोग, निर्माण की स्थिति एवं अन्य आवश्यक जानकारियां संकलित की जा रही हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि सर्वे कार्य में सहयोग प्रदान करें तथा सही जानकारी उपलब्ध कराएं। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार जी.आई.एस. सर्वे पूर्ण होने के बाद संपत्ति कर निर्धारण में पारदर्शिता आएगी तथा शहर की विकास योजनाओं को बेहतर ढंग से तैयार करने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण पर भी नियंत्रण किया जा सकेगा। निगम प्रशासन ने बताया कि सर्वे कार्य चरणबद्ध तरीके से सभी जोन एवं वार्डों में कराया जा रहा है तथा कार्य पूर्ण होने के बाद निगम की सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं डिजिटल बनाया जाएगा।

औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की समीक्षा बैठक में भिलाई इस्पात संयंत्र ने दी सक्रिय सहभागिता

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिले एवं आसपास स्थित उद्योगों में लागू स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपायों की समीक्षा हेतु 21 मई 2026 को महात्मा गांधी कलामंदिर में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता दुर्ग के कलेक्टर अभिजीत सिंह ने की। समन्वयन उप संचालक (औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, दुर्ग) मनीष कुंजाम द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुर्ग विजय अग्रवाल उपस्थित रहे। भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) पीआर भल्ला ने किया।

बैठक में भिलाई इस्पात संयंत्र सहित विभिन्न निजी उद्योगों के फैक्ट्री प्रबंधक एवं सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उप संचालक श्री कुंजाम द्वारा बैठक के उद्देश्य, विभिन्न औद्योगिक सुरक्षा आंकड़ों एवं भावी कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की गई।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संयंत्र में लागू स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। इस दौरान महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग) संजय अग्रवाल, मुख्य अग्निशमन अधिकारी बीके महापात्रा तथा महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) सुब्रमणियन रमणी ने स्वास्थ्य, अग्नि सुरक्षा एवं ऊर्जा प्रबंधन से संबंधित व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में एनएसपीसीएल भिलाई से श्री तापस मोहिनी एवं अदाणी सीमेंट, जामुल से श्री विश्वकर्मा द्वारा भी प्रस्तुतियाँ दी गईं।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी वैधानिक आवश्यकताओं को पूर्ण करने के महत्व पर बल दिया तथा हाल की बॉयलर दुर्घटनाओं के संदर्भ में बॉयलरों के रखरखाव एवं सुरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने किसी भी अप्रिय घटना की त्वरित सूचना संबंधित प्रशासनिक एजेंसियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बकायादारों से कर वसूली तेज जोन-2 में 2.79 लाख वसूले

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बकाया करों की वसूली हेतु अभियान लगातार चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन के निर्देशानुसार विभिन्न जोन क्षेत्रों में बकायादारों से संपर्क कर बकाया राशि जमा कराई जा रही है।

इसी क्रम में आज जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र अंतर्गत कर वसूली अभियान के दौरान 2 लाख 79 हजार रुपये की बकाया राशि जमा कराई गई। निगम की टीम द्वारा शेष बकायादारों को भी समय पर कर जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि बकाया करों की वसूली से निगम को विकास एवं जनसुविधाओं से संबंधित कार्यों में गति मिलेगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे समय पर अपना कर जमा कर निगम प्रशासन का सहयोग करें, ताकि शहर में साफ-सफाई, सड़क, प्रकाश एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का कार्य बेहतर ढंग से संचालित किया जा सके।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

जैव विविधता बचाने का मॉडल बनी मनोहर गौशाला, बदल रही गांव की तस्वीर

रायपुर। खैरागढ़ की मनोहर गौशाला जैव विविधता संरक्षण का मजबूत उदाहरण बनकर उभरी है। यहां पिछले 12 वर्षों से तालाब निर्माण, हरित क्षेत्र विकास और प्राकृतिक खेती के जरिए धरती को बचाने का काम हो रहा है। गौशाला में तैयार जैविक उत्पाद खेती को रसायनमुक्त बना रहे हैं। संस्था का मानना है कि जैव विविधता बचाना केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि लगातार निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है, जिसका असर अब आसपास के गांवों में दिखने लगा है। मनोहर गौशाला ने पर्यावरण संरक्षण को अपने रोजमर्रा के काम में शामिल किया है। यहां एक दशक से ज्यादा समय में तालाब बनाए गए और हरित क्षेत्र विकसित किए गए, जिससे पेड़-पौधे और जीव-जंतुओं के लिए बेहतर वातावरण तैयार हुआ। फ्सल अमृत और मनोहर ऑर्गेनिक गोल्ड जैसे उत्पाद किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर ला रहे हैं। इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ रही है और रासायनिक खाद पर निर्भरता कम हो रही है। गौशाला किसानों को प्रशिक्षण भी देती है, जिससे गांवों में जैव विविधता को बचाने की सोच मजबूत हो रही है। जैव विविधता सिर्फ पेड़-पौधों तक सीमित नहीं है। इसमें मिट्टी, पानी और जीव-जंतु सभी शामिल हैं।

जनता के फीडबैक से तय होगी शहरों की रैंकिंगः स्वच्छता सर्वे

रायपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के लिए केंद्र सरकार की टीम अगले सप्ताह छत्तीसगढ़ पहुंचेगी। टीम प्रदेश के नगरीय निकायों में साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं का भौतिक सत्यापन करेगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारी शहरों के बाजार, सड़कें, सार्वजनिक शौचालय, डंपिंग साइट, नालों और रहवासी इलाकों का दौरा करेंगे। लोगों से सीधे फीडबैक भी लिया जाएगा। नगरीय प्रशासन विभाग के अफ्सरों के मुताबिक राज्य के सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों की तैयारियों की समीक्षा शुरू कर दी गई है। इसके लिए राज्य स्तर पर अलग टीम बनाई गई है, जो शहरों में जाकर साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की जांच कर रही है। जहां कमियां मिल रही हैं, वहां तत्काल सुधार के निर्देश दिए जा रहे हैं। देश में 2016 से स्वच्छता सर्वेक्षण कराया जा रहा है।

जल संसाधन में अनुरेखक-सिविल भर्ती, 15 जून तक भरे जाएंगे फॉर्म

रायपुर। जल संसाधन विभाग में अनुरेखक (सिविल) पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मंगाए गए हैं। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) ने 22 मई से भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 15 जून को शाम 5 बजे तक फॉर्म भरे जाएंगे। फॉर्म भरते समय हुई गलती के सुधार के लिए 16 से 18 जून का समय तय किया गया है। लिखित परीक्षा 2 अगस्त को रायपुर में सुबह 10 से दोपहर 12.15 बजे तक होगी। फॉर्म भरने में दिक्कत पर छात्र हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 या मोबाइल नंबर 8269801982 पर संपर्क कर सकते हैं। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी: परीक्षा में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करने के लिए 2 घंटे का समय मिलेगा। प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक मिलेगा, इस प्रकार पूरी परीक्षा 100 अंकों की होगी। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का भी प्रावधान है।

मुख्यमंत्री साय ने किया कचना रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण

राजधानी रायपुर को मिली बड़ी सौगात, लाखों लोगों को मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में कचना रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण कर इसे आम जनता को समर्पित किया। साथ ही 22.79 करोड़ रुपये की लागत से बने शंकर नगर-खम्हारडीह-कचना मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आधारभूत संरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और यह ओवरब्रिज उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कचना रेलवे फाटक में लंबे समय से जाम की समस्या बनी हुई थी, जिससे आम नागरिकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ओवरब्रिज के शुरू होने से अब लोगों को सुगम, सुरक्षित और निर्बाध यातायात सुविधा मिलेगी। इससे विशेष रूप से कचना, खम्हारडीह एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की केंद्रीय सड़क निधि योजना के अंतर्गत इस परियोजना को स्वीकृति मिली थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन कचना, खम्हारडीह और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए खुशी का दिन है। जनता की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। अब यहां ट्रैफिक जाम और वाहनों की लंबी कतारों से राहत मिलेगी। इससे कार्यालय, स्कूल-कॉलेज जाने वाले लोगों के साथ-साथ व्यापारी एवं व्यवसायियों को भी बड़ी सुविधा होगी। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से प्राप्त निधि के माध्यम से इस ओवरब्रिज का निर्माण संभव हुआ है। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने के लिए बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि इस ब्रिज की लंबाई 787 मीटर एवं चौड़ाई 13 मीटर है तथा 48.78 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस ओवरब्रिज के बनने से रायपुर शहर की यातायात व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा समय की बचत भी होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सड़क, पुल और अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने निर्माण कार्य में जुड़े अधिकारियों एवं एजेंसियों को बधाई देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। राज्य सरकार अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखने के साथ ही सीधे लोगों के बीच जाकर योजनाओं और विकास कार्यों का फीडबैक भी ले रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता के बीच जाकर वास्तविक परिस्थितियों की जानकारी मिलती है। वे स्वयं अचानक गांवों में पहुंचकर पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं। उन्होंने कहा कि लोग शासन की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण बस्तर क्षेत्र विकास से वंचित रहा, लेकिन अब नक्सल समस्या के समाधान की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से दूरस्थ गांवों तक शासन की योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं। नियद नेल्लानार 2.0 के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं। अब तक 20 लाख से अधिक लोगों की जांच की जा चुकी है तथा 55 लाख लोगों की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है और उसी के अनुरूप सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि कचना क्षेत्र में लगभग 25 बड़ी कॉलोनियां स्थित हैं और यह रेलवे ओवरब्रिज इन सभी कॉलोनियों को रायपुर शहर से बेहतर तरीके से जोड़ने में अत्यंत प्रभावी साबित होगा। उन्होंने कहा कि कचना का यह ओवरब्रिज केवल एक पुल नहीं, बल्कि रायपुर और कचना को जोड़ने वाली जीवनरेखा है। इससे न केवल कचना और आसपास के रहवासियों को लाभ मिलेगा, बल्कि बिलासपुर और बलौदाबाजार की ओर आने-जाने वाले लोगों को भी यातायात में बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। श्री साव ने कहा कि प्रदेश में अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। पहली बार लोक निर्माण विभाग को 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति मिली है। राज्य सरकार के गठन के बाद रिकॉर्ड संख्या में पुलों का निर्माण किया गया है।

छत्तीसगढ़ में नीली क्रांति की ओर अग्रसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जल-संरचना और अनुकूल जलवायु के चलते मछली पालन अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सबसे बड़ा जरिया बन चुका है। राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों और मछुआरा हितैषी योजनाओं के कारण छत्तीसगढ़ आज मत्स्य बीज उत्पादन में न केवल पूरी तरह आत्मनिर्भर हो गया है, बल्कि देश में अग्रणी राज्यों की कतार में खड़ा है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ पूरे देश में अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में छठवें स्थान पर है, जहाँ सालाना 9.59 लाख मीट्रिक टन मछली का रिकॉर्ड उत्पादन हो रहा है।

मत्स्य पालन मंत्री राम विचार नेताम राजधानी रायपुर में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि प्रदेश में कुल उपलब्ध 2.081 लाख हेक्टेयर जल क्षेत्र में से 96.25 प्रतिशत क्षेत्र को मछली पालन के अंतर्गत विकसित कर लिया गया है। इसके माध्यम से राज्य के 2.25 लाख से अधिक मछुआरों को स्वरोजगार के स्थायी साधन मिले हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार छत्तीसगढ़ के अंतिम व्यक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मछली पालन को कृषि का दर्जा दिए जाने से आज हमारे मत्स्य पालकों को बिजली दरों में छूट, ब्याज मुक्त ऋण और पानी की दरों में बड़ी राहत मिल रही है।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि मत्स्य किसानों के आय में वृद्धि करने विभाग अब आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों जैसे केज कल्चर, आर.ए.एस. और बायोफ्लॉक को बढ़ावा दे रही है। ''गिफ्ट तिलापिया'' के लिए रायपुर और कांकेर में विशेष क्लस्टर विकसित कर रहे हैं।

हमारा लक्ष्य वर्ष 2028 तक तिलापिया उत्पादन को 30,000 मीट्रिक टन तक पहुँचाना है, जिससे हमारे राज्य को सालाना 90 से 100 करोड़ रुपये का विदेशी निर्यात राजस्व प्राप्त होगा। छत्तीसगढ़ का पानी और यहाँ के मछुआरों की मेहनत मिलकर राज्य में नीली क्रांति का नया इतिहास लिख रहे हैं। मत्स्य संचालक नारायण सिंह नाग ने बताया कि उत्कृष्ट गुणवत्ता का मत्स्य बीज तैयार करने के लिए राज्य में मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत वर्तमान में 123 सर्कुलर हेचरी, 102 मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, 3,698 संवर्धन पोखर, 01 पंगेशियस हेचरी (धमतरी), 07 मांगुर हेचरी (बालोद, कबीरधाम, बिलासपुर, कोरबा, कोण्डागांव एवं महासमुंद), 02 मोनोसेक्स तिलापिया हेचरी (रायपुर एवं बलौदाबाजार), संचालित हो रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 606 करोड़ से अधिक मत्स्य बीज का उत्पादन हो रहा है।

छत्तीसगढ़ न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर रहा है, बल्कि पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, केरल और गोवा जैसे राज्यों को भी उच्च गुणवत्ता वाले मत्स्य बीज की आपूर्ति कर रहा है। वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने के कारण बीते एक वर्ष में राज्य के मत्स्य उत्पादन में 11.75 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। जहाँ ग्रामीण तालाबों की औसत उत्पादकता 4,838 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है, वहीं आधुनिक तकनीकों (जैसे केज कल्चर और बायोफ्लॉक) के माध्यम से राज्य के प्रगतिशील किसान औसतन 8,000 से 12,000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक का उत्पादन ले रहे हैं।

कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य मछुवारा संघ के उपाध्यक्ष लखन लाल धीवर ने भी संबोधित किया। एमपीईडीए के निदेशक डॉ राम मोहन एमके ने तिलापिया के निर्यात क्षमता, केन्द्र सरकार में मत्स्य विकास आयुक्त डॉ. के मोहम्मद कोया ने गिफ्ट जलकृषि के कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की पीएमएमएसवाई के अंतर्गत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं एवं सेवाएं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मत्स्य किसान एवं केन्द्र तथा राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बलौदाबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभों की जानकारी ली।

शिविर में मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 के तहत अनेक उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत प्रदान की गई। हितग्राहियों ने बताया कि योजना से उन्हें आर्थिक राहत मिली है और लंबित बिजली बिल की चिंता काफी हद तक कम हुई है।

बलौदाबाजार जिले के ग्राम बिटकुली निवासी श्री आशाराम को 11 हजार 625 रुपये, श्री बाबूलाल को 14 हजार 922 रुपये, श्री जगदीश को 9 हजार 832 रुपये, श्रीमती बुधयारिन को 8 हजार 467 रुपये तथा श्री चोवाराम को 13 हजार 325 रुपये की छूट प्राप्त हुई।

हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान बताया कि पहले बढ़े हुए बिजली बिल के कारण आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि अब वे बिना किसी अतिरिक्त बोझ के नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान कर पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हितग्राहियों को अपने हाथों से पहनाया नजर का चश्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बलौदाबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित सुशासन तिहार समाधान शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं और सेवाओं की जानकारी ली।

स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में मुख्यमंत्री ने 76 वर्षीय गोवर्धन ध्रुव, 65 वर्षीय श्रीमती अनुपकुंवर पाल तथा कक्षा छठवीं के छात्र संजय चक्रधारी एवं जयसेन को अपने हाथों से नजर का चश्मा पहनाया।

हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अब पढ़ने-लिखने और दैनिक कार्यों में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार और आवश्यक सहायता मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

बैगा अंचल के जंगलों की मिठास पहुँची बैंगलोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जीपीएम जिले के सुदूर वनांचल और बैगा अंचल के ग्राम आमाडोब एवं केवंची की महिलाओं की मेहनत अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। जंगलों से संग्रहित प्राकृतिक शहद अब छत्तीसगढ़ की सीमाओं को पार कर देश के बड़े शहरों तक पहुँचने लगा है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत गठित स्वसहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार शहद की पहली बड़ी खेप अब बैंगलोर भेजी गई है, जिससे ग्रामीण महिलाओं में उत्साह और आत्मविश्वास का नया संचार हुआ है।

बैगा अंचल के घने जंगलों से संग्रहित इस शुद्ध प्राकृतिक शहद की ब्रांडिंग एवं आकर्षक पैकेजिंग अरपा बिहान नाम से की जा रही है। यह कार्य तिपान महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा तैयार यह उत्पाद अब बाजार में अपनी गुणवत्ता और विशिष्टता के कारण अलग पहचान बना रहा है।

जिला कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे ने बुधवार को अरपा सभा कक्ष में आयोजित बैंकर्स मीटिंग के दौरान शहद की खेप को सांकेतिक रूप से रवाना किया। इसके बाद तिपान महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा शहद बैंगलोर भेजा गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि यह पहल न केवल स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार दिलाने का प्रयास है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। बिहान योजना के माध्यम से जिले की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। जंगलों से प्राकृतिक संसाधनों का संग्रहण, उनकी वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और विपणन कर महिलाएं अब आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं।

राज्य सरकार की मंशा है कि स्वसहायता समूहों की महिलाओं को लखपति दीदी के रूप में विकसित किया जाए और उन्हें स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक बाजार उपलब्ध कराया जाए। बैगा अंचल के शहद का बैंगलोर तक पहुँचना इसी दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

सुशासन तिहार बना भरोसे का आधार : हितग्राहियों को मिला सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। 'सुशासन तिहार' अब आम जनता के लिए भरोसे, त्वरित समाधान और संवेदनशील प्रशासन का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। गाँव-गाँव तक पहुँच रही शासन की योजनाओं और समस्याओं के ऑन-स्पॉट निराकरण से ग्रामीणों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। इसी कड़ी में जीपीएम जिले के गौरेला जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवसा में एक विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 20 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए।

शिविर में लालपुर, गिरवर, दौजरा, हर्राटोला, साल्हेघोरी, डाहीबहरा, पंडरीपानी, अंधियारखोह, हर्री, गांगपुर, धनौली, गोरखपुर, झगराखांड, कोरजा, अंजनी, तेंदूमूड़ा, चुकतीपानी, नेवसा, सारबहरा एवं सेमरा पंचायतों के ग्रामीणों ने अपनी मांगों व शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए और विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प और वृत्तचित्र का प्रदर्शनशिविर में विभिन्न मांगों एवं शिकायतों से संबंधित कुल 1,487 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके समयबद्ध निराकरण की प्रक्रिया संबंधित विभागों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दी गई है।

विधायक प्रणव कुमार मरपची के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस शिविर में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लगभग 300 हितग्राहियों को सामग्री एवं सहायता राशि वितरित की गई। राजस्व विभाग: 66 हितग्राहियों को फौती नामांतरण, 42 को किसान किताब, 17 को बंटवारा (बी-वन खसरा) तथा 12 हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र एवं किसान किताब प्रदान किए गए।अन्य विभाग: श्रम, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पंचायत, मत्स्य पालन, महिला एवं बाल विकास, कृषि, परिवहन तथा शिक्षा विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, सहायक उपकरण, आवास की चाबी, मछली पकड़ने के जाल व कैरेट, नियुक्ति पत्र, उन्नत बीज, शिक्षार्थी अनुज्ञा पत्र (लर्निंग लाइसेंस) तथा पाठ्य पुस्तकें वितरित की गईं।

शिविर में 12 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा 11 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराया गया।अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: विधायकशिविर को संबोधित करते हुए विधायक श्री मरपची ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अपनी घोषणाओं के अनुरूप लगातार कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास एवं जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना तथा मौके पर ही उनकी शिकायतों का समाधान करना है।

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन के निर्देशानुसार सभी विभागों के अधिकारियों ने मंच के समक्ष उपस्थित होकर प्राप्त आवेदनों तथा उनके निराकरण की अद्यतन स्थिति से आवेदकों को सीधे अवगत कराया।शिविर के दौरान ग्राम पंचायत कोरजा में ग्रामीणों द्वारा बनाए जा रहे आवासों को 'अतिक्रमण' बताकर हटाए जाने संबंधी एक संवेदनशील शिकायत सामने आई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने वन विभाग और राजस्व विभाग की एक संयुक्त टीम गठित कर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जाँच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वास्तविक तथ्यों के आधार पर न्यायपूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर जिला और पूरे छत्तीसगढ़ को बाल विवाह से मुक्त बनाने के लिए एक विशेष शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के युवक का विवाह न करने और समाज में बाल विवाह को पूरी तरह रोकने का सामूहिक संकल्प लिया। इसके साथ ही, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'महतारी वंदन योजना' से लाभान्वित महिलाओं के अनुभवों तथा 'आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र' की गतिविधियों पर आधारित एक लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया, जिसे ग्रामीणों ने काफी रुचि के साथ देखा।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पायर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

कान्स फिल्म फेस्टिवल में छाई बॉम्बे स्टोरीज

सेक्स वर्कर के किरदार पर खुलकर बोलीं अनुप्रिया गोयनका

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म बॉम्बे स्टोरीज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मौका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी हतक से प्रेरित है।

फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म बॉम्बे स्टोरीज में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुष्मिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कस की जिंदगी, उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो की कहानी पर आधारित है। हतक शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फैसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है।

अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है। वह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया।

अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्क को लेकर कहा, अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुखद बन जाता है।

उन्होंने कहा, समाज में सेक्स वर्कर्स को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

निर्देशक प्रशांत वर्मा का बड़ा दांव महाकाली में शामिल किया एक और बॉलीवुड कलाकार

हनु-मान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके निर्देशक प्रशांत वर्मा अगली फिल्म महाकाली को लेकर चर्चा में हैं। यह उनके सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की तीसरी फिल्म है, जिसका निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। इस पैन इंडिया फिल्म की चर्चा इसलिए भी खूब है, क्योंकि अक्षय खन्ना इसका हिस्सा हैं। इसमें उन्हें असुर गुरु शुक्राचार्या के किरदार में देखा जाएगा। ताजा अपडेट है कि महाकाली में एक अन्य बॉलीवुड अभिनेता को भी शामिल कर लिया गया है।

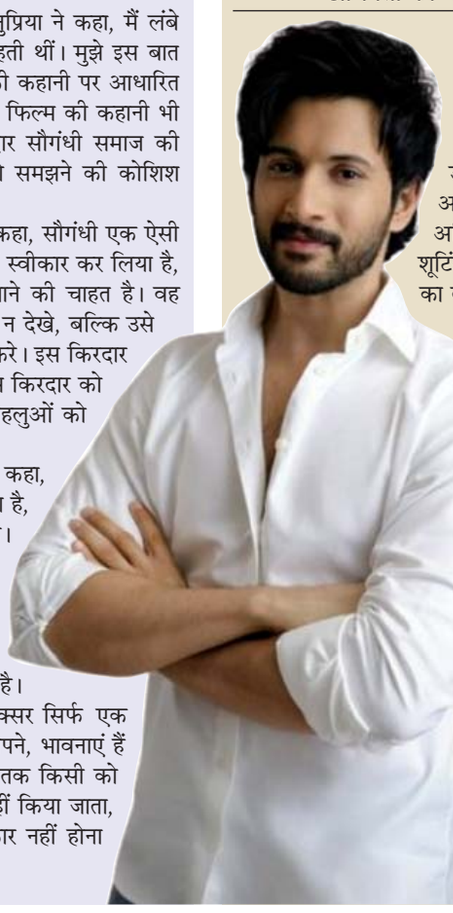

जाने-माने फिल्म समीक्षक और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की है कि महाकाली में रोहित सराफ को शामिल कर लिया गया है। उन्होंने लिखा, रोहित सराफ पीवीसीयू की अगली कड़ी महाकाली में नजर आएंगे। अभिनेता ने हाल ही में हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग पूरी की है। उनके शामिल होने से फिल्म का दायरा और बढ़ गया है। रोहित को आखिरी बार वरुण धवन अभिनीत सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी (2025) में देखा गया था।

हनु-मान की शानदार सफलता के बाद, निर्देशक महाकाली के तौर पर वापसी कर रहे हैं। यह इस यूनिवर्स की तीसरी फिल्म है, जबकि दूसरी फिल्म हनु-मान का सीक्वल जय हनुमान होगी। फिल्म इसलिए भी खास हैं, क्योंकि यह भारत की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म होगी। भूमि शेट्टी इसमें मुख्य किरदार के तौर पर नजर आएंगी। कहानी बंगाल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम और हिंदी भाषा में आईमैक्स 3डी फॉर्मेट में रिलीज किया जाएगा।

जकड़न से पाना है छुटकारा?

रोज सुबह खाली पेट करें मलासन मिलेंगे ये गजब के फायदे

भारतीय योग परंपरा में शरीर की वृद्धि और ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण आसनों का वर्णन मिलता है, जिनमें मलासन भी एक प्रभावी योगासन है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन और संतुलन बेहतर होता है।

यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के साथ रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और शरीर के निचले हिस्से को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है। साथ ही, यह शरीर की सही मुद्रा और सांसों के साथ बेहतर तालमेल भी बनाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इसके अभ्यास को लेकर जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, यह स्क्वाट मुद्रा वाला योगासन है, जिसमें घुटनों को मोड़कर और कूल्हों को जमीन की ओर लाकर बैठा जाता है। इसे करने के लिए पैरों को कंधों की चौड़ाई जितना फैलाकर धीरे-धीरे स्क्वाट की मुद्रा में आना चाहिए। मलासन की मुद्रा में छोटे-छोटे संतुलित कदमों के साथ शरीर को स्थिर रखा जाता है। यह आसन सुबह के समय खाली पेट करना सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि इससे पाचन तंत्र सक्रिय होता है।

यह एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को स्थिरता देता है और मन को एकाग्र रखने में मदद करता है। यह आसन मूलाधार चक्र को सक्रिय करता है, जिससे मन में सुरक्षा, संतुलन और जागरूकता की भावना बढ़ती है।

शारीरिक रूप से मलासन शरीर के कई हिस्सों को मजबूत और लचीला बनाता है। यह नितंब, जांघ, पिंडलियों और कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत करता है, वहीं कूल्हों, कमर, पीठ के निचले हिस्से और टखनों में खिंचाव लाकर अकड़न कम करता है। लंबे समय तक बैठने से शरीर में जो जकड़न आ जाती है, उसे दूर करने में भी यह आसन मददगार होता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए यह पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों को मजबूत करने वाला एक बेहतरीन अभ्यास माना जाता है। हालांकि, उन्हें इसका अभ्यास करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श जरूर करना चाहिए।

गंभीर घुटने, टखने या पीठ के निचले हिस्से में दर्द की समस्या वाले लोगों को इससे बचना चाहिए। यदि हाल ही में पेट या कूल्हे की कोई सर्जरी हुई हो, तो भी यह आसन नहीं करना चाहिए।

दूध में केसर मिलाकर पीने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

दूध में केसर मिलाकर पीने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं, खासकर अगर आप इसे रात को सोने से पहले पीते हैं। यह मिश्रण न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद केसर और दूध के पोषक तत्व मिलकर आपके शरीर और मन को आराम देते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि रात को सोने से पहले दूध में केसर मिलाकर पीने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

नींद को सुधारने में है मददगार

दूध और केसर का मिश्रण बहुत आरामदायक होता है, जो नींद को सुधारने में मदद कर सकता है। केसर में मौजूद तत्व दिमाग को शांत करते हैं और तनाव कम करते हैं, जिससे नींद बेहतर होती है। इसके अलावा दूध में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम भी नींद को बेहतर बनाते हैं। नियमित रूप से इस मिश्रण का सेवन करने से आप गहरी और शांत नींद पा सकते हैं।

पाचन तंत्र को है मजबूत

दूध में केसर मिलाकर पीने से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। केसर में मौजूद पोषक तत्व पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं और पेट की समस्याओं से राहत दिलाते हैं। इसके अलावा दूध में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया भी आंत के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। नियमित रूप से इस मिश्रण का सेवन करने से आप पाचन संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं और अपने पेट को स्वस्थ रख सकते हैं।

तनाव को कर सकता है दूर

दूध और केसर का मिश्रण तनाव को दूर करने में भी मददगार हो सकता है। केसर में मौजूद खुशबू वाले तेल दिमाग को शांत करते हैं और मानसिक थकान को कम करते हैं। इसके अलावा दूध में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम भी तनाव को दूर करने में सहायक होते हैं। नियमित रूप से इस मिश्रण का सेवन करने से आप मानसिक रूप से ताजगी महसूस कर सकते हैं और अपने दिन की शुरुआत बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

त्वचा को निखारने में है सहायक

दूध और केसर का मिश्रण त्वचा के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। केसर में मौजूद पोषक तत्व त्वचा की रंगत सुधारते हैं और उसे चमकदार बनाते हैं। दूध में मौजूद लैक्टोज और फैटी एसिड्स त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और उसे मुलायम बनाते हैं। नियमित रूप से इस मिश्रण का सेवन करने से आप ताजगी महसूस कर सकते हैं और अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है अच्छा

दूध और केसर का मिश्रण हृदय के लिए भी अच्छा माना जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं और हृदय रोगों से बचाव करते हैं। इसके अलावा यह मिश्रण खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मदद करता है। नियमित रूप से इस मिश्रण का सेवन करने से आप अपने हृदय को स्वस्थ रख सकते हैं और कई हृदय संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं।

राज बब्बर और रेखा के बीच अफेयर की बातों पर क्या बोले बेटे आर्य?

'कौन आकर्षित नहीं होगा'

बॉलीवुड अभिनेता राज बब्बर एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनके बेटे ने पिता के रेखा के साथ अफेयर को लेकर खुलकर बात की है। जानिए एक्टर के बेटे ने क्या कुछ कहा है।

तो उसमें गलत क्या है

विक्की ललवानी को दिए इंटरव्यू में आर्य ने राज और रेखा के बीच अफेयर को लेकर बात की। जब उनसे दोनों के रिलेशनशिप पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अगर आप पूछ रहे हैं कि क्या पापा रेखा जी की तरफ आकर्षित थे, तो वो इतनी खूबसूरत हैं कि कौन आकर्षित नहीं होगा? मैं भी होता। अगर उन्हें आकर्षण महसूस हुआ तो उसमें गलत क्या है? यह इंसानी भावना है।'

बता दें कि रेखा और राज बब्बर ने कई फिल्मों में साथ काम किया था, जिनमें 'अगर तुम ना होते', 'झूठी', 'अमीरी गरीबी' और 'इन्साफ की आवाज' शामिल हैं।

लोगों को आगे बढ़ जाना चाहिए

आर्य ने आगे कहा कि उनके पिता की जिंदगी में और भी कई बड़ी उपलब्धियां रहीं, लेकिन लोग आज भी सिर्फ उनके अफेयर्स की बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अब 44 साल का हूं। यह सब तब हुआ था जब मैं सिर्फ4-5 साल का था। हम सब जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं, इसलिए बाकी लोगों को भी आगे बढ़ जाना चाहिए।'

उन्होंने यह भी माना कि किसी भी बच्चे के लिए अपने पिता के अफेयर की बातें सुनना आसान नहीं होता, लेकिन समय के साथ उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। मजाकिया अंदाज में आर्य ने कहा, 'पापा भी आगे बढ़ गए थे, उनका एक और अफेयर भी हुआ था।'

राज बब्बर के बारे में

गौरतलब है कि राज बब्बर का निधन साल 1986 में बेटे के जन्म के कुछ ही दिनों बाद हो गया था। राज बब्बर ने साल 1975 में नादिरा बब्बर से शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे आर्य और जूही हैं। बाद में उन्होंने स्मिता पाटिल से भी शादी की थी।

सोशल मीडिया पर छाया मेलोडी का खुमार, कृति खरबंदा ने टॉफी वाली पोस्ट से लूट ली महफिल!

सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नाम को मिलाकर मेलोडी ट्रेंड छाया हुआ है। इस मजेदार मीम फेस्ट में अब अभिनेत्री कृति खरबंदा भी शामिल हो गई हैं। कृति ने इंस्टाग्राम पर भूरे (ब्राउन) रंग की खूबसूरत ड्रेस में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका रंग बिल्कुल मेलोडी टॉफी से मिल रहा है। अभिनेत्री ने मजा लेते हुए कैप्शन भी कुछ ऐसा डाला कि सभी का ध्यान उनके कैप्शन की ओर खींचा चला गया। कृति लिखती हैं, ये मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है? कृति की पोस्ट सभी को बहुत पसंद आ रही हैं। उनके फैंस कमेंट सेक्शन पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि मेलोडी शब्द को सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर इस्तेमाल करके वैश्विक मंचों पर इन दोनों नेताओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, के बीच हुई हल्की-फुल्की बातचीत को हाईलाइट करते हैं।

इस वायरल ट्रेंड को तब रफ्तार मिली, जब इटली के दौरे पर पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मशहूर मेलोडी चॉकलेट/टॉफी गिफ्ट की थी। मेलोनी ने इस क्यूट जेस्चर के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया था, जो इंटरनेट पर आते ही छा गया।

इस मजेदार ट्रेंड के साथ-साथ यह ऑनलाइन ट्रेंड दोनों देशों के बीच मजबूत हो रही कूटनीतिक और व्यापारिक साझेदारी को भी प्रदर्शित करता है। अभिनेत्री कृति खरबंदा पिछली बार फिल्म राणा नाइडू-2 में नजर आई थी। यह एक एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म है।

अभिनेत्री हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, रंजीत, सौंदर्या शर्मा और आकाशदीप साबिर जैसे स्टार्स शामिल हैं।

खास खबर

कलेक्टर ने आत्मसमर्पित महिला को सौंपा ऋण का चेक

कांकेर। राज्य शासन की मंशानुरूप आत्मसमर्पित माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज अपने कक्ष में कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के ग्राम सरगीकोट निवासी आत्मसमर्पित महिला माओवादी प्रमिला मण्डावी को एक लाख रूपए का चेक किराना व्यवसाय संचालित करने के लिए चेक सौंपा। उक्त चेक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ महिला कोष योजना के तहत प्रदाय किया गया। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन की नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिन्हें जिला प्रशासन द्वारा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा कलेक्टर क्षीरसागर ने नरहरपुर निवासी अहिमत रावटे एवं लोकेश्वरी रसिया को स्थानीय व्यंजन विक्रय केन्द्र (मिलेट कार्ट) के संचालन हेतु एक-एक लाख रूपए के ऋण का चेक उक्त योजनांतर्गत प्रदान किया। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ महिला कोष के तहत महिला स्व-सहायता समूहों को ऋण तथा व्यक्तिगत महिलाओं को सक्षम योजना के तहत प्रथम बार में अधिकतम दो लाख रूपए की ऋण सहायता राशि तीन प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर दिया जाता है। वित्तीय वर्ष में कुल 40 महिला स्व-सहायता समूहो को कुल 60 लाख रूपए का ऋण वितरित किया गया है।

बस्तर के सुदूर वनांचल ग्राम भेजा में स्वास्थ्य सेवाओं की मिसाल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन मॉडल के तहत बस्तर के अंतिम छोर पर बसे गांवों तक स्वास्थ्य सुविधाएं सुगमता से पहुंच रही हैं। इसी कड़ी में बस्तर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम भेजा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और अभूतपूर्व कार्यप्रणाली देखने को मिली। इस विशेष शिविर में भेजा सहित आस-पास के दूर-दराज के गांवों से आए कुल 231 ग्रामीणों का विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सफलतापूर्वक स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक स्क्रीनिंग की गई। सुदूर आदिवासी अंचल के मरीजों को बड़ी राहत देते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में अत्याधुनिक पोर्टेबल एक्स-रे मशीन की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इस आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए 109 ग्रामीणों का मौके पर ही एक्स-रे स्थल पर ही स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस त्वरित व्यवस्था के कारण स्थानीय आदिवासियों और ग्रामीणों को एक बुनियादी जांच के लिए मीलों दूर शहर जाने की परेशानी और आर्थिक बोझ से पूरी तरह निजात मिल गई। शिविर में केवल इलाज ही नहीं किया गया, बल्कि ग्रामीणों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए गए।

सुशासन तिहार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना

बलौदाबाजार के करहीबाजार समाधान शिविर में हितग्राहियों को सौंपे लाभ, विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलौदाबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य सरकार को गांव-गांव तक पहुंचाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करना और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री साय ने भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में समाधान शिविर में पहुंचे ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार यह जानने के लिए गांवों तक पहुंच रही है कि लोगों को पानी, बिजली, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाएं समय पर मिल रही हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि रायपुर में बैठकर ग्रामीणों की समस्याओं को पूरी तरह समझा नहीं जा सकता, इसलिए पूरी सरकार गांवों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक अनेक स्थानों पर शिविर संपन्न हो चुके हैं तथा आगामी दिनों में भी शिविरों का आयोजन जारी रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को प्राथमिकता के साथ पूरा किया है। किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और दो वर्षों का बकाया बोनस भी दिया गया है।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं के खातों में 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस योजना से महिलाएं बच्चों की पढ़ाई, घरेलू जरूरतों और छोटे व्यवसायों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने लखपति दीदी अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में महिलाएं स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं और आगे करोड़पति दीदी बनने की दिशा में बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार कर रही है। प्रदेश की 6000 से अधिक पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां लोगों को प्रमाण पत्र, राजस्व रिकॉर्ड, बैंकिंग और अन्य सेवाएं गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि अब रजिस्ट्री के साथ तत्काल नामांतरण की सुविधा भी दी जा रही है, जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानी नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कही कि सरकार जल्द ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शुरू करने जा रही है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं ऑनलाइन और टोल फ्री नंबर के जरिए दर्ज करा सकेंगे तथा समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया तथा नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं और स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता की सुविधा और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव एवं जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

धमतरी जिला प्रशासन की बड़ी उपलब्धि 'सुशासन तिहार' में अब तक 8,500 से अधिक जनसमस्याओं का ऑन-स्पॉट निपटारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और जवाबदेह निराकरण के लिए धमतरी जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा 'सुशासन तिहार 2026' अभियान सफलता के नए कीर्तिमान रच रहा है। कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में जिले के सभी विभाग, नगरीय निकाय, जनपद पंचायतें और तहसील कार्यालय 'मिशन मोड' पर काम कर रहे हैं। इस महा-अभियान के तहत अब तक दर्ज कुल 11,621 आवेदनों में से 8,500 से अधिक का रिकॉर्ड समय में निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष प्रकरणों पर भी तीव्र गति से कार्रवाई जारी है।

15-20 गाँवों को मिलाकर लग रहे शिविर ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए जिला प्रशासन ने एक अनूठी पहल की है। जिले की 24 ग्राम पंचायतों में क्लस्टर' बनाकर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें प्रत्येक क्लस्टर के अंतर्गत 15 से 20 गाँवों को शामिल किया गया है। इससे ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में प्रशासनिक सेवाएँ मिल रही हैं। 20 मई तक ग्रामीण इलाकों में 8 विशाल शिविर संपन्न हो चुके हैं। इसी कड़ी में आज कुरूद विकासखंड के ग्राम चोरभट्टी में 9वां और धमतरी विकासखंड के ग्राम पिपरछेड़ी में 10वां शिविर आयोजित कर जनता की समस्याओं को सुना गया। शहरी क्षेत्र: शहरी क्षेत्रों में धमतरी नगर निगम सहित 7 नगर पंचायतों में अब तक 13 शिविरों का सफल आयोजन किया जा चुका है। 'सुशासन तिहार' के माध्यम से जनता से सीधे जुड़े मामलों जैसेकृराजस्व प्रकरण, मूलभूत ढांचागत मांगें, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, खाद्य वितरण (राशन), बिजली, जल संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और विभिन्न आवश्यक प्रमाण पत्रों (जाति, निवास, आय) का पूरी संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जा रहा है। धमतरी, नगरी, मगरलोड और कुरूद जनपद पंचायतों सहित महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और खाद्य विभाग के अधिकारी मौके पर ही उपस्थित रहकर आवेदकों को वस्तुस्थिति से अवगत करा रहे हैं।

सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि लंबित मामलों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण ढंग से निपटाएं, ताकि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहजता से पहुँच सके।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदेश में लगातार जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में बाल विवाह रोकथाम, महिला सुरक्षा और बाल संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में 21 मई को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला के जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्डलाइन की संयुक्त टीम द्वारा वैभव संकुल संगठन दनगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को पॉक्सो एक्ट एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन करने के साथ ही उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया गया कि बालिकाओं की वैधानिक विवाह आयु 18 वर्ष तथा बालकों की 21 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह किया जाना कानूनन मान्य है। इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 एवं आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी देते हुए किसी भी आपात स्थिति या बाल संरक्षण से जुड़ी समस्या की सूचना तत्काल देने के लिए प्रेरित किया गया। बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

जनजातीय गौरव उत्सव जन भागीदारी अभियान का आगाज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले के दूरस्थ अंचलों तक सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुँचाने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनजातीय गौरव उत्सव जन भागीदारी अभियान की शुरुआत हो चुकी है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिला स्तर पर जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले थीम के तहत आदि कर्मयोगी अभियान का औपचारिक प्रारंभ कर दिया गया है।

परियोजना प्रशासक एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना जगदलपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह विशेष अभियान धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चयनित जिले के 377 ग्रामों में पूरी सक्रियता के साथ संचालित किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर के सूचना, शिक्षा, संचार कैम्पेन का मुख्य उद्देश्य सुदूर क्षेत्रों में सीधे जमीनी संपर्क स्थापित करना, शासन की सेवाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता (सेवा संतृप्ति) सुनिश्चित करना, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाना और आदि सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान करना है।

सागौन की खेती से समृद्ध हुआ छत्तीसगढ़ का किसान, मिला 9.69 लाख का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए एग्रोफॉरेस्ट्री (कृषि-वानिकी) एवं निजी भूमि पर वृक्षारोपण को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार की इसी दूरगामी पहल का एक बेहद सफल और प्रेरणादायी परिणाम बालोद जिले के किसान श्री अनिल जाजू की सफलता के रूप में सामने आया है।

नवा रायपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने ग्राम पलारी (तहसील गुरूर) निवासी कृषक श्री अनिल जाजू को उनकी निजी भूमि पर तैयार किए गए सागौन वृक्षों के एवज में 9.69 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को पारंपरिक खेती के जोखिमों से उबारने के लिए वृक्ष आधारित कृषि प्रणाली अपनाने हेतु प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि एग्रोफॉरेस्ट्री किसानों के लिए दीर्घकालिक आय का मजबूत माध्यम बन रही है। साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के जरिए जनभागीदारी से हरित छत्तीसगढ़ निर्माण को भी गति मिल रही है।

वन मंत्री ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से अब जनभागीदारी से पूरे प्रदेश को हरा-भरा बनाने की मुहिम को एक नई और अभूतपूर्व गति मिल रही है। 24 वर्षों की मेहनत का फल मीठा मिला, किसान श्री अनिल जाजू की यह सफलता अन्य किसानों के लिए एक बेहतरीन केस-स्टडी है। वर्ष 2001 में अपनी 3.35 हेक्टेयर निजी भूमि पर सागौन के पौधे लगाए थे। लगभग 24 वर्षों तक देखरेख और संरक्षण के बाद वर्ष 2025 में उन्होंने वृक्ष कटाई नियम 2022 के तहत अनुमति लेकर सागौन वृक्षों की कटाई कराई। वन विभाग की देखरेख में कुल 173 सागौन वृक्षों की कटाई की गई, जिससे 949 नग लकड़ी प्राप्त हुई। इसका कुल आयतन 33.24 घनमीटर दर्ज किया गया। वन विभाग द्वारा निर्धारित दर पर लकड़ी का क्रय किया गया और इसके बदले लगभग 9.69 लाख रूपए की राशि सीधे किसान के बैंक खाते में जमा कराई गई।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दी विकास कार्यों की बड़ी सौगात

सड़क पुल-पुलिया निर्माण का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम भगवताटोला से भैंसबोर्ड मार्ग पर अब सफर आसान और तेज होने जा रहा है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम बबई में विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने यहां 4.36 करोड़ रूपए से अधिक की लागत बनने वाले 2.40 किमी सड़क पुल पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों का वर्षों पुराना इंतजार खत्म किया।

यह सड़क मार्ग क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत करने के साथ ग्रामीणों के आवागमन को आसान और सुगम बनाएगा। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अपने चिर परिचित अंदाज में जमीन पर बैठकर ग्रामीणों से आत्मीय चर्चा की, उनकी समस्याएं सुनीं और कई मांगों पर तत्काल विकास कार्यों की घोषणा कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने महामाया मंदिर में कक्ष निर्माण के लिए 2 लाख, भगवता टोला में सामुदायिक भवन के लिए 6.5 लाख, सामुदायिक शौचालय निर्माण, समतलीकरण के लिए 2.5 लाख, बबई में मुरमीकरण के लिए 2 लाख रुपए, भैंसबोड में रंग मंच के लिए 4 लाख, पचरी निर्माण के लिए 3 लाख, ग्राम नरोधी में मुरमीकरण के लिए 4 लाख, सिंगारपुर में सामुदायिक भवन के लिए 6.5 लाख, ग्राम धनगांव में मुख्यमंत्री ग्रामसड़क योजना के तहत पक्की सड़क, मरार समाज के सामुदायिक भवन कक्ष के लिए 5 लाख और महिला स्व सहायता समूह द्वारा मांग पर सोलर आटा चक्की बनाने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांवों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि सड़क, आवास, किसान हित और महिला सशक्तिकरण से जुड़े काम तेजी से किए जा रहे हैं, जिससे गांवों की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1 हजार रुपए की राशि दी जा रही है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिल रही है। साथ ही सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवासों की स्वीकृति देकर बड़ा फैसला लिया गया, ताकि जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर मिल सके।

महतारी वंदन से अब तक 27 किस्तों के माध्यम से हर हितग्राही माता बहनों के खाते में 27 हजार की राशि पहुंच चुकी है। इस दौरान उन्होंने गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा में सड़क व अन्य निर्माण पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

बालोद के राहुद में सुशासन तिहार का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम राहुद में गुरुवार को शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत राहुद सहित राहुद कलस्टर में शामिल आसपास के 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

इसके अंतर्गत गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, पूर्व विधायक वीरेन्द्र साहू, जनपद अध्यक्ष पुरूषोत्तम चंद्राकर, जनपद उपाध्यक्ष नीतेश मोंटी यादव, जिला पंचायत सदस्य कांति सोनेश्वर सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर हितग्राहियों को कृषि विभाग अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मत्स्य पालन प्रसार योजना अंतर्गत जाल एवं आईस बॉक्स का वितरण किया गया। इसी तरह समाज कल्याण विभाग अंतर्गत श्रवण यंत्र एवं छड़ी, स्वामित्व योजना अंतर्गत अधिकार अभिलेख पत्र का वितरण किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण पूर्णता प्रमाण पत्र एवं केसीसी कार्ड का वितरण किया। इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल बोर्ड लगाया गया था। इस दौरान मेडिकल बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया।

खास खबर

एयरगन और धारदार चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर के सरस्वती नगर थाना इलाके में पुलिस ने एयरगन और धारदार चाकू के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सार्वजनिक जगह पर हथियार लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा था। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपी का नाम विकास निर्मलकर है। सरस्वती नगर पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली कि, एक युवक कुकुरबेड़ा ओवरब्रिज के नीचे हथियार लेकर लोगों को धमका रहा है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विकास बताया। आरोपी से पुलिसकर्मियों ने एयरगन-चाकू बरामद किया है। आरोपी पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर पुलिसकर्मियों ने न्यायालय में पेश किया। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस मामले में सहायक पुलिस आयुक्त ईशु अग्रवाल ने बताया कि, चाकू-हथियार लेकर घूम रहे आरोपी युवक पर कार्रवाई की गई है। आदतन अपराधियों पर इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

शराब की लत से तंग आकर पिता-भाइयों ने की हत्या

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शराब की लत से परेशान युवक की उसके पिता और भाइयों ने मिलकर हत्या कर दी। मामला कोटा थाना क्षेत्र के बेलगहना चौकी इलाके की है। एडिशनल एसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह ने बताया कि 20 मई को ग्राम रतखंडी निवासी उमेंद सिंह पटेल (52) बेलगहना चौकी पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके बेटे गौरीशंकर पटेल (23) ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। शव के पास जहर की शीशी भी पड़ी हुई थी। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध लगा, जांच के दौरान उमेंद के शरीर पर चोट के निशान पाए गए, जिससे पुलिस का शक और गहरा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी गला और मुंह दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर परिजनों से पूछताछ शुरू की। घटना की रात भी वह नशे में था और परिवार वालों से मारपीट कर रहा था। इससे परेशान होकर पिता उमेंद सिंह, भाई शिवशंकर पटेल (18) और एक नाबालिग भाई ने उसे जमीन पर पटक दिया। फॉरेंसिक साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जब परिवार से कड़ाई से पूछताछ की गई, तो आरोपियों ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने कुछ ही घंटों में मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सरकारी शराब की सीलबंद बोतल में निकली मकड़ी

बरमकेला। बरमकेला विकासखंड के अंतर्गत ग्राम लेन्धरा स्थित सरकारी शराब दुकान में बिकने वाली देशी मदिरा प्लेन की एक सीलबंद बोतल के भीतर मकड़ी जैसी काली आकृति तैरती हुई पाई गई। इस घटना ने आबकारी विभाग की बॉटलिंग व्यवस्था और गुणवत्ता जांच के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गुरुवार शाम को एक युवक ने लेन्धरा की सरकारी दुकान से 200 एमएल की देशी शराब की बोतल खरीदी। दुकान से बाहर निकलते ही उसे बोतल के अंदर कुछ काला तैरता हुआ नजर आया। शुरुआत में उसे रोशनी का भ्रम लगा, लेकिन शक होने पर जब उसने मोबाइल की टॉर्च जलाकर देखा, तो सीलबंद बोतल के भीतर मकड़ी जैसी आकृति साफ दिखाई दी। बोतल पूरी तरह पैक थी और उसके ढक्कन पर छत्तीसगढ़ आबकारी की आधिकारिक सील लगी हुई थी। युवक ने तुरंत इसका वीडियो और फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जानकारों के मुताबिक, शराब को बाजार में भेजने से पहले लैब टेस्टिंग, केमिकल एग्जामिनेशन, बैच सैंपलिंग, होलोग्राम और बारकोडिंग जैसी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है।

बच्चों को शराब पिलाई-नींद का इंजेक्शन देकर गला घोंटा, अफेयर के विवाद में मां ने मार-डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक मकान से दंपती और उनके 2 बच्चों की लाश मिली है। बच्चों के शव बिस्तर पर पड़े थे, जबकि पति-पत्नी फंदे से लटके मिले। मृतका चंचल साहू ने अपने नाम से सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें शादीशुदा जिंदगी से परेशान होने की बात कही गई है।

सुसाइड नोट में चंचल ने पति पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया है। दोनों ने लव मैरिज की थी। नोट में यह भी लिखा है कि उसने किसे और कैसे मारा। चंचल ने पहले दोनों बच्चों को शराब पिलाई, फिर उन्हें नींद का इंजेक्शन लगाया।

सुसाइड नोट के मुताबिक बच्चों की मौत कन्फर्म नहीं होने पर उसने रस्सी से उनका गला घोंट दिया। वहीं पति शराब का आदी था, उसे भी काफी शराब पिलाई गई। महिला के गाल पर थप्पड़ के निशान मिले हैं, जिससे अंदेशा है कि दोनों के बीच विवाद हुआ था।

बताया जा रहा है कि पति पहले फांसी के फंदे पर झूला, इसके बाद पत्नी ने भी फांसी लगा ली। मामले में एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक गोविंद साहू (45) और चंचल साहू (40) की लाश कमरे में फांसी के फंदे पर लटके मिली, जबकि बेटी दृष्टि साहू (13) और बेटे यशांत साहू (11) की लाश बिस्तर में मिली। जानकारी के अनुसार कमरे में 2

खुद फंदे पर झूली, पति ने भी फांसी लगाई

सुसाइड नोट मिले हैं, जिसमें एक सुसाइड नोट में पति-पत्नी दोनों की राइटिंग है।

इससे पुलिस अंदाजा लगा रही है कि पति-पत्नी दोनों ने मिलकर आत्महत्या की है। यह पूरी वारदात शराब के नशे में की गई है। पुलिस को घर के अंदर शराब की बॉटल भी मिली हैं। पत्नी ने सुसाइड नोट में पति पर दूसरी लड़कियों से अफेयर का जिक्र किया है। इस वजह से विवाद की बात कही है।

माता-पिता की मर्जी के खिलाफ की थी शादी

मृतका चंचल साहू ने माता-पिता और भाई के फैसले के खिलाफ शादी की थी। लेकिन वो अपनी शादीशुदा जिंदगी से खुश नहीं थी। वो अपने पति से शादी के कुछ साल बाद से ही परेशान रहती थी। चंचल ने मरने से पहले अपने परिवार के सदस्यों से माफी मांगी है।

केपीएस में पढ़ाई करते थे बेटा-बेटी

गोविंद और चंचल के दोनों बच्चे केपीएस नेहरू नगर में पढ़ाई करते थे। बेटा इस साल 5वीं की परीक्षा पास कर 6वीं में प्रवेश कर लिया है। वहीं बेटी 8वीं पास कर 9वीं कक्षा में गई थी। पति गोविंद साहू शेयर ट्रेडिंग का काम करता था।

भिलाई के प्रियदर्शनीय परिसर में ऑफिस है। मृतक गोविंद साहू का एक भाई राधिका नगर में रहता है और बाकी के तीन भाई दुर्ग के आर्य नगर स्थित घर में एक साथ रहते हैं। तीनों भाई अलग नहीं हुए थे और एक ही चूल्हे पर तीनों भाई की फैमिली का खाना बनता था।

गोविंद साहू 8 दिन पहले ही बालाजी दर्शन करके दुर्ग लौटा था। इनके आने के बाद बाकी 2 भाई अपने परिवार के साथ पूरी घूमने गए थे और कल रात में ही लौटे थे। हालांकि, पुलिस ने आत्महत्या के पीछे की वजहों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घर से मिले साक्ष्यों और मोबाइल कॉल डिटेल की जांच जारी है। साथ ही परिजनों और पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के असल वजह का पता लगाया जा सके।

10-20 के नए नोटों का बंडल जब्त, अपराधी फरार, नया क्राइम सिंडिकेट सक्रिय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के अशोका मिलेनियम प्लाजा स्थित हंस ट्रैवल्स के गोदाम से 6 मई को 10-20 रुपए के नए नोटों की खेप मिलने के मामले में कई नए चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल और ओडिशा के बैंकों से अवैध तरीके से नए नोट खरीदकर कमीशन लेकर उनकी सप्लाई की जा रही है। इसमें बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की भी भूमिका सामने आ रही है। ट्रांसपोर्टर के जरिए नोट भेजने और मंगाने वालों को नोटिस जारी कर पूछताछ की जा रही है। बड़े शहरों में शगुन और कई तरह के कार्यक्रमों में नए नोटों की मांग ज्यादा रहती है, जिसका फायदा उठाकर यह नेटवर्क सक्रिय है। 16 से 20 लाख के नए नोट पार्सल के रूप में भेजे जा रहे हैं। इन लेन-देन की एंट्री सरकारी रिकॉर्ड में भी नहीं की जाती है।

जांच में यह भी सामने आया है कि पहले पुराने नोटों को बोरियों में भरकर बंगाल और ओडिशा के दलालों के पास भेजा जाता है। वहां बैंकों से इन्हें बदला जाता है। इसके बदले मोटा कमीशन दिया जाता है। बाद में बैंकों से मिले नए नोटों को पार्सल से दूसरे शहरों में भेजा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के कमल किशोर गुप्ता ने 20 लाख के पुराने नोट भेजे थे, जिसके बदले उन्हें 16 लाख के नए नोट भेजे जा रहे थे। यह पार्सल बंगाल से उदय सिंह बिस्वाल ने भेजा था। इस पूरे नेटवर्क में ट्रांसपोर्टर की बड़ी भूमिका सामने आई है। हवाला नेटवर्क, विदेशों में कनेक्शन रायपुर में हवाला सिस्टम बेहद मजबूत है। रकम जितनी बड़ी होती है, कमीशन उतना कम लिया जाता है। रोजाना करोड़ों का लेन-देन हो रहा है। रामसागरपारा, भैंसथान, स्टेशन रोड, पंडरी कपड़ा मार्केट, सदर बाजार और गोलबाजार इलाके हवाला कारोबार के प्रमुख केंद्र हैं। यहां कोड सिस्टम से रकम का लेन-देन होता है। नोट का आधा टुकड़ा दिखाने पर पूरी रकम दी जाती है। इस कारोबार में 1 से 10 प्रतिशत तक कमीशन लिया जाता है। सराफ, सरिया, गुटखा, तंबाकू, अनाज और कपड़ा कारोबार से जुड़े व्यापारी भी इस नेटवर्क से जुड़े हैं।

पुलिस ने 10 और 20 रुपए के जब्त नोटों को जांच के लिए भेजा है। आशंका है कि नए नोटों की आड़ में नकली नोट भी बाजार में खपाए जा रहे हैं। आमतौर पर लोग 100, 200 और 500 रुपए के नोटों की जांच करते हैं, लेकिन 10 और 20 रुपए के नोट बिना जांच के ही स्वीकार कर लेते हैं। इसी का फायदा उठाकर तस्कर छोटे नोटों की नकली कॉपी बनाकर बाजार में खपा रहे हैं।

डॉक्टर पर कार्रवाई के लिए थाने में नारेबाजी भिलाई में क्रांति सेना कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पहुंचे छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के पदाधिकारियों पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोप है कि संगठन के पदाधिकारी चेतन चंदेल और उनके साथ आए कार्यकर्ताओं ने स्मृति नगर चौकी परिसर में घुसकर नारेबाजी की। पुलिसकर्मियों से अभद्रता की और शासकीय कार्य में बाधा डाली।

इस मामले में चेतन चंदेल और उनके साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जबकि भाजयुमो का प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों से झूमाझटकी हुई थी, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पूरा मामला शंकराचार्य अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ के

बीच हुए विवाद से जुड़ा है। डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर क्रांति सेना के कार्यकर्ता गुरुवार शाम स्मृति नगर चौकी पहुंचे थे। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को आवेदन देने और कुछ समय तक इंतजार करने के लिए कहा, लेकिन कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे और पुलिस के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सत्यप्रकाश तिवारी और क्रांति सेना के पदाधिकारियों के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि पहले स्मृति नगर चौकी प्रभारी राजेश साहू ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की। इसके बाद सुपेला थाना प्रभारी ने भी समझाइश दी, लेकिन कार्यकर्ता नहीं माने।

इसी दौरान सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी थाना परिसर में एक अन्य मामले में दो पक्षों के बीच चर्चा करवा रहे थे। शोर-शराबा सुनकर वे बाहर आए और प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की।

हालांकि, प्रदर्शनकारी उनसे भी बहस करने लगे और डॉक्टर के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करने लगे। विवाद बढ़ने पर सीएसपी ने प्रदर्शनकारियों को परिसर से बाहर खदेड़ दिया।

इसके बाद स्मृति नगर चौकी की शिकायत पर सुपेला थाना पुलिस ने चेतन चंदेल और उनके साथियों के खिलाफ बलवा और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया।

सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि, आरक्षक राकेश सिंह की शिकायत पर चेतन चंदेल और उनके साथियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 और 221 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रायपुर में राजस्थान के 2 गांजा तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

● बस स्टैंड पर ग्राहक तलाश रहे थे आरोपी, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

रायपुर। रायपुर पुलिस ने सूखे नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राजस्थान के 2 अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी भाठागांव बस स्टैंड इलाके में गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे थे। पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया।

आरोपियों के कब्जे से 8.122 किलो गांजा जब्त किया गया है, जिसकी कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में राजस्थान के टोंक निवासी दिलशेर खान (39) और कसीम अली (27)

शामिल है।

पुलिस के मुताबिक, 21 मई 2026 को टिकरापारा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भाठागांव बस स्टैंड स्थित शुलभ शौचालय के पास दो युवक संदिग्ध हालत में घूम रहे हैं और मादक पदार्थ बेचने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया।

आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके पास से अलग-अलग पैकेटों में कुल 8.122 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम दिलशेर खान (39) और कसीम अली (27) निवासी पुरानी टोंक, जिला टोंक राजस्थान बताया। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई डीसीपी पश्चिम संदीप कुमार पटेल के निर्देश और एडीसीपी राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। वहीं एसीपी टिकरापारा नवनीत पाटिल की निगरानी में टिकरापारा पुलिस लगातार नशे के कारोबारियों पर कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि, राजधानी में नशे के नेटवर्क को खत्म करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और बाहरी राज्यों से आने वाले तस्करों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

धमतरी में ऑनलाइन दांव लगवाने वाला रंगे हाथ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। एसपी सूरज सिंह परिहार के सख्त निर्देशों के बाद जिलेभर में जुआ, सट्टा और ऑनलाइन आईपीएल बेटिंग के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गोल बाजार इलाके के पास एक व्यक्ति मोबाइल फोन से ऑनलाइन सट्टा खिलवा रहा है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को मोबाइल पर लाइव दांव लगवाते रंगे हाथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान संदीप ओटवानी उर्फ जागरा पिता स्व. जोधाराम ओटवानी उम्र 40 वर्ष

निवासी सिंधी धर्मशाला के सामने आमापारा धमतरी के रूप में हुई। आरोपी ने खुलासा किया कि वह ऑल पैनल एक्सचेंज नामक ऑनलाइन लिंक और मोबाइल एप के जरिए आईपीएल क्रिकेट मैचों में हार-जीत का दांव लगवा रहा था।

जांच में सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन आईडी और पासवर्ड के जरिए सट्टेबाजी चला रहा था और फोन-पे व यूपीआई माध्यम से रकम ट्रांसफर कर रहा था।

आरोपी ने खुद कबूला कि उसने ऑनलाइन सट्टे के लिए 49 हजार 990 रुपए ट्रांसफर किए थे। पुलिस ने उसके कब्जे से वन प्लस 11 मोबाइल फोन, जियो और एयरटेल सिम कार्ड सहित डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं। मामले में धारा 7(1) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। धमतरी पुलिस का साफ संदेश है ऑनलाइन सट्टे की दुनिया भले मोबाइल स्क्रीन में छिपी हो, लेकिन कानून की नजर अब हर डिजिटल दांव तक पहुंच चुकी है।

नशे के लिए मजदूर को पीटा, मोबाइल तोड़ा, महीनों से फरार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। घरघोड़ा पुलिस ने क्षेत्र के एक शातिर और निगरानी सूची में शामिल बदमाश को लूटपाट और मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था, जिसे पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर दबोचा।

सीतापुर क्षेत्र का निवासी अरुण कुमार एक्का घरघोड़ा में रहकर मजदूरी करता है। 21 अक्टूबर 2025 की रात करीब 8:30 बजे, वह ड्यूटी खत्म कर पिकअप वाहन की ओर जा रहा था। इसी दौरान गुप्ता होटल के पास वार्ड नंबर-2 निवासी मोहसीन खान उर्फ भुरू पठान (30 वर्ष) ने उसे रोका। आरोपी ने अरुण के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और नशे के लिए पैसों की मांग की। जब मजदूर ने विरोध किया, तो आरोपी ने जबरन उसकी शर्ट की जेब से 500 रुपए निकाल लिए। इस बीच आरोपी ने मोबाइल भी

छीनने की कोशिश की, जिससे मोबाइल जमीन पर गिरकर टूट गया। घटना के बाद से ही आरोपी लगातार फरार चल रहा था। गुरुवार रात पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने गांव आया हुआ है, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। आरोपी भुरू पठान का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। वर्ष 2008 में चोरी और 2010 में लूट के मामलों में उस पर कार्रवाई हो चुकी है। लगातार अपराधों में संलिप्तता के कारण वर्ष 2015 में उसे जिला बदर भी किया गया था।

सोलर पैनल-लोहा चुराने वाला गैंग दुर्ग पुलिस के शिकंजे में

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दिन में सूने खेतों की रेकी और रात होते ही सोलर पैनल, लोहा एंगल और बिजली झटका मशीन पर हाथ साफ करने वाले शातिर चोरों के गिरोह का दुर्ग पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है।

उतई और मचांदुर इलाके में किसानों की मेहनत पर डाका डाल रहे आरोपियों को पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और संदिग्ध बाइक के सुराग से पकड़कर चोरी की पूरी कहानी खोल दी। मामला तब सामने आया जब ग्राम पुरई निवासी डोमार सिंह साहू और धौंराभाठा निवासी अश्वनी साहू ने खेतों की घेराबंदी में लगे लोहे के एंगल चोरी होने की शिकायत थाना उतई में दर्ज कराई। लगातार

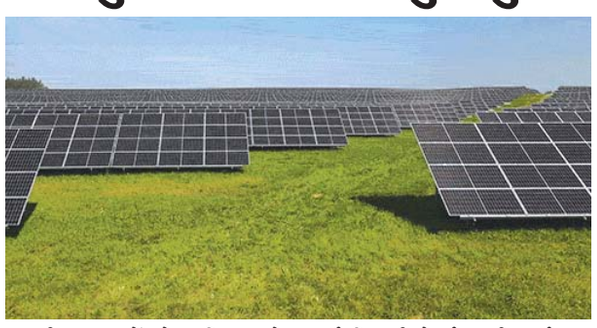

बढ़ती घटनाओं ने पुलिस को अलर्ट कर दिया। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास संदिग्ध मोटर सायकल क्रमांक सीजी 07 सीडब्ल्यू 3027 की जानकारी मिली।

पुलिस ने सुराग जोड़ते हुए राजू महिलांगे उम्र 36 वर्ष निवासी नेवईभाठा ट्रांसफार्मर के पास थाना नेवई और भूपत निर्मलकर उम्र 43 वर्ष निवासी नेवई बस्ती वार्ड 64 को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों टूट गए और खेतों में रेकी कर चोरी करना कबूल लिया। उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए लोहे के एंगल और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद कर ली गई।

इसी दौरान चौकी मचांदुर क्षेत्र के ग्राम कातरो में वालेश साहू के खेत से सोलर पैनल और बिजली झटका मशीन चोरी होने के मामले में रामकुमार साहू उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम चिरपोटी थाना अण्डा और उसकी पत्नी को पकड़ा गया।

दोनों ने भी आर्थिक तंगी और चोरी का सामान बेचकर खर्च चलाने के लिए वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने सोलर पैनल, बिजली झटका मशीन समेत चोरी का सामान जब्त कर आरोपियों के खिलाफ धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। बहरहाल, दुर्ग पुलिस की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि किसानों की मेहनत पर हाथ डालने वालों तक कानून अब खेतों की मेड़ पार कर भी पहुंच रहा है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार गिरे, 1 युवक की मौत

हसौद। जिले के हसौद थाना क्षेत्र अंतर्गत हसौद-परसदा मार्ग में गुरुवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। लीवो होंडा बाइक गाड़ी में सवार दो युवक हसौद से अपने गांव डोटमा लौट रहे थे। इसी दौरान परसदा रोड पर कश्यप ढाबा के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। बाइक सवार दिलेश्वर पटेल पिता रेशम लाल पटेल निवासी ग्राम डोटमा (बरेकेल) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक में पीछे बैठे किशन पटेल पिता जगदीश पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए जैजैपुर अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही हसौद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की।

प्रमुख खबरें

सास ने सुशासन तिहार में बनवाया बहू का श्रमिक कार्ड, काम होने से खिले चेहरे

बालोद। छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रहे सुशासन तिहार 2026 के शिविर ग्रामीण इलाकों के नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को सीधे, पारदर्शी और बेहद आसान तरीके से मिल रहा है। इसका एक जीवंत और खूबसूरत उदाहरण बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखंड के ग्राम संजारी में आयोजित सुशासन शिविर में देखने को मिला, जहाँ एक ही परिवार की दो पीढ़ियों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिला। शिविर में ग्राम अतरगांव की निवासी श्रीमती सुनीति देवांगन पहुंची थीं, जो पिछले कई वर्षों से शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा रही हैं। वर्ष 2016 में सुनीति की श्रमिक कार्ड (श्रम कार्ड) बना था। इसके माध्यम से उन्हें अपनी बेटी की पढ़ाई के लिए कक्षा दूसरी से लेकर 12वीं तक नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना का निरंतर लाभ मिला, जो उनकी बेटी की शिक्षा को संबल बना । 18 वर्ष पूरे होने पर उन्हें शासन की नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत वित्तीय सहायता का भी लाभ प्राप्त हुआ। बेटी के बाद अब बहू को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सजग सास सुनीति देवांगन अपनी बहू श्वेता देवांगन को लेकर सीधे ग्राम संजारी के सुशासन शिविर पहुंचीं। बहू श्वेता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि आज मैं अपनी सास के साथ सुशासन शिविर में आई थी। मैंने यहाँ श्रमिक कार्ड के लिए आवेदन किया और बिना किसी दफ्तर के चक्कर काटे, मौके पर ही तुरंत मेरा श्रमिक कार्ड बनकर तैयार हो गया। सुशासन तिहार के शिविर में इतनी तेजी से काम होना हमारे लिए बेहद सुखद अनुभव है।

नीति आयोग के 'चैंपियंस ऑफ चेंज' में बीजापुर के उसूर को मिला द्वितीय स्थान, छत्तीसगढ़ के विकास मॉडल पर लगी मुहर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित चैंपियंस ऑफ चेंज कार्यक्रम के अंतर्गत बीजापुर जिले के उसूर विकासखण्ड ने अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में सेंट्रल इंडिया जोन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

यह उपलब्धि राज्य सरकार की जनकेंद्रित विकास सोच, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सतत मॉनिटरिंग तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण मान्यता है। यह सफलता केवल बीजापुर जिले तक सीमित नहीं, बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ के विकास मॉडल की प्रभावशीलता को भी रेखांकित करती है। विशेष रूप से आकांक्षी और दूरस्थ क्षेत्रों में शासन की योजनाओं की प्रभावी पहुंच, सेवा प्रदायगी में सुधार तथा विकास संकेतकों में सकारात्मक परिवर्तन को इस उपलब्धि ने राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी है।

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग द्वारा संचालित 'चैंपियंस ऑफ चेंज' कार्यक्रम के अंतर्गत

स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत संरचना तथा सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर विकासखण्डों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है। उसूर विकासखण्ड ने विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, बेहतर परिणामों तथा विभागीय समन्वय के आधार पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है।

इस उपलब्धि के पीछे बीजापुर जिले द्वारा अपनाया गया मॉडल अभिसरण- सहयोग एवं प्रतिस्पर्धा महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा। इस मॉडल के माध्यम से योजनाओं के अभिसरण, जनभागीदारी, विभागीय तालमेल तथा सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित कर परिणाम आधारित कार्य संस्कृति विकसित की गई। यह उपलब्धि बताती है कि छत्तीसगढ़ अब आकांक्षी क्षेत्रों में भी विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए मानक स्थापित कर रहा है। कभी चुनौतियों के लिए पहचाने जाने वाले दूरस्थ अंचल आज स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, आधारभूत सुविधाओं और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

सुशासन तिहार 2026 बना समस्या निवारण का सक्षम मंच

कमरौद में मुख्यमंत्री ने बरगद के नीचे लगाई चौपाल, ग्रामीणों से संवाद कर जानी अपेक्षाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा स्थित ग्राम कमरौद पहुंचकर विशाल बरगद के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

बरगद के पेड़ की छांव में आयोजित चौपाल में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि सरकार गांव-गांव पहुंचकर यह सुनिश्चित कर रही है कि लोगों को राशन, बिजली, प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ सही तरीके से मिल रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाकर समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे अब तक प्रदेश के 16 जिलों का दौरा कर लोगों से सीधे संवाद कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं से महतारी वंदन योजना की जानकारी ली, जिस पर महिलाओं ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से राशि मिल रही है। ग्राम की श्रीमती देव कुमारी साहू ने बताया कि वह योजना से मिलने वाली राशि अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचा रही हैं।

चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री ने पांचवीं कक्षा के छात्र पूर्वांश साहू से मुस्कुराते हुए पूछा - सेल्फी लेंगे क्या? जिसके बाद छात्र ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी ली।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं और अतिरिक्त 10 लाख आवासों का निर्माण भी प्रारंभ हो गया है। अब तक लगभग 6000 अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। राज्य सरकार शीघ्र ही ऑनलाइन शिकायत समाधान व्यवस्था शुरू करने जा रही है, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे मोबाइल फोन से अपनी समस्याएं दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए टोल फ्री नंबर भी प्रारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने नैनो यूरिया के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिरपुर बैराज तथा सिकासेर से कोडार परियोजना महासमुंद जिले के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। उल्लेखनीय है कि जिले में सिकासेर बांध (गरियाबंद) से शहीद वीर नारायण सिंह जलाशय कोडार तक पानी पहुंचाने की लगभग 3200 करोड़ रुपये की परियोजना पर कार्य किया जा रहा है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सरकार गांव-गांव पहुंचकर जनता की बात सुन रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना और अन्य योजनाओं से प्रदेश के गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित हो रही हैं।

चौपाल के दौरान ग्राम वासियों ने योजनाओं से जुड़ी अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अनेक समस्याओं का तत्काल समाधान हो गया। शेष मामलों को भी तत्काल पिटाने के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया।

चिरायु से मिला नवजीवन : समीरा और नितिन ने सीएम को दिया थैंक-यू कार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। सुशासन तिहार के दौरान आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम करहीबाजार में एक भावुक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जब चिरायु योजना से लाभान्वित बच्चों समीरा जांगड़े और नितिन पटेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें थैंक यू कार्ड भेंट किया। बच्चों और उनके परिजनों ने नि:शुल्क उपचार के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने परिवार को नई उम्मीद और बच्चों को नई जिंदगी दी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दोनों बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत की, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक संवेदनशीलता के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और जरूरी सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि कोई भी परिवार आर्थिक अभाव के कारण उपचार से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों को स्वस्थ जीवन और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए उनके परिवारजनों का भी उत्साहवर्धन किया।

उल्लेखनीय है कि विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पंडरिया निवासी 6 वर्षीय नितिन पटेल तथा ग्राम लच्छनपुर निवासी 9 वर्षीय समीरा जांगड़े ने अपने माता-पिता के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उपचार के बाद जीवन में आए सकारात्मक बदलाव साझा किए। समीरा के पिता जीवन लाल जांगड़े ने बताया कि इलाज से पहले समीरा अत्यंत कमजोर रहती थी और स्कूल आने-जाने में भी सांस फूलने लगती थी। इसी प्रकार नितिन पटेल का उपचार चिरायु योजना के माध्यम से 22 नवंबर 2025 को रायपुर में हुआ। परिजनों ने बताया कि जिस इलाज की कल्पना लाखों रुपये खर्च होने के कारण संभव नहीं लगती थी, वह चिरायु योजना के माध्यम से नि:शुल्क संभव हो सका।

नंदनवन जू और जंगल सफारी में शुरू हुई इलेक्ट्रिक सफारी और बोटिंग की सुविधा

- पर्यावरण संरक्षण और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा, वन विभाग ने पहली बार लागू किया राजस्व साझेदारी मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पर्यटन को आधुनिक, रोमांचक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। नया रायपुर स्थित नंदनवन जू एवं जंगल सफारी में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहनों और नई बोटिंग सेवाओं का आज वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने शुभारंभ किया। यह पहल प्रदेश के पर्यटन उद्योग को मजबूत करेगी।

इस अवसर पर श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर काम कर रही है। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक इंद्र कुमार साहू सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वन विभाग ने इस परियोजना में नवाचार करते हुए पहली बार राजस्व साझेदारी मॉडल को अपनाया है। इसके तहत सरकार द्वारा भारी-भरकम खर्च कर वाहन खरीदने के बजाय निजी कंपनियों के सहयोग से ये सेवाएं शुरू की गई हैं। इस मॉडल से सरकारी खर्च में बड़ी कटौती होगी और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार तेजी से किया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचत, ग्रीन एनर्जी और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए जंगल सफारी में शत-प्रतिशत इको-फ्रेंडली वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों के चलने से कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आएगी। ईंधन की बचत होगी और जंगल का प्राकृतिक वातावरण शांत व सुरक्षित रहेगा।

जंगल सफारी में पर्यटकों के रोमांच और सुविधा को दोगुना करने के लिए कई नए आकर्षण जोड़े गए हैं। पर्यटकों की सैर के लिए 7 नई इलेक्ट्रिक बसें और 5 इलेक्ट्रिक जिप्सी बेड़े में शामिल की गई हैं, जिनकी संख्या भविष्य में और बढ़ाई जाएगी। जल पर्यटन का दायरा बढ़ाते हुए अब पर्यटकों के लिए पॉटून बोट और बांस राफ्ट्स की शुरुआत की गई है। आने वाले समय में यहाँ कायक और वाटर साइकिल जैसी आधुनिक सुविधाएं भी मिलेंगी। सफारी परिसर में एक विशेष शोवेनियर शॉप तैयार की गई है, जहाँ पर्यटक छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककला, बस्तर आर्ट और हस्तशिल्प से जुड़ी खूबसूरत वस्तुएं खरीद सकेंगे।

यह परियोजना केवल पर्यटन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगी। इन सेवाओं के संचालन से सीधे तौर पर 15 से 20 स्थानीय युवाओं, विशेषकर महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही, निजी क्षेत्र द्वारा किए जा रहे करोड़ों रुपये के निवेश से इस क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं खुलेंगी।

नंदनवन जू एवं जंगल सफारी में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहनों और नई बोटिंग सेवाओं के शुभारंभ के अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पांडेय, प्रबंध संचालक छ.ग. राज्य लघु वनोपज संघ अनिल कुमार साहू, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीमती शालिनी रैना, मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) गुरुनाथन एन., और संचालक जंगल सफारी थेजस शेखर सहित वन विभाग के तमाम वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वैष्णव परम्परा और रामायनकालीन घटनाओं का साक्षी है यह त्रिवेणी संगम

शबरी-राम के मिलन की धरती शिवरीनारायण

श्रीकंचनपथ समाचार

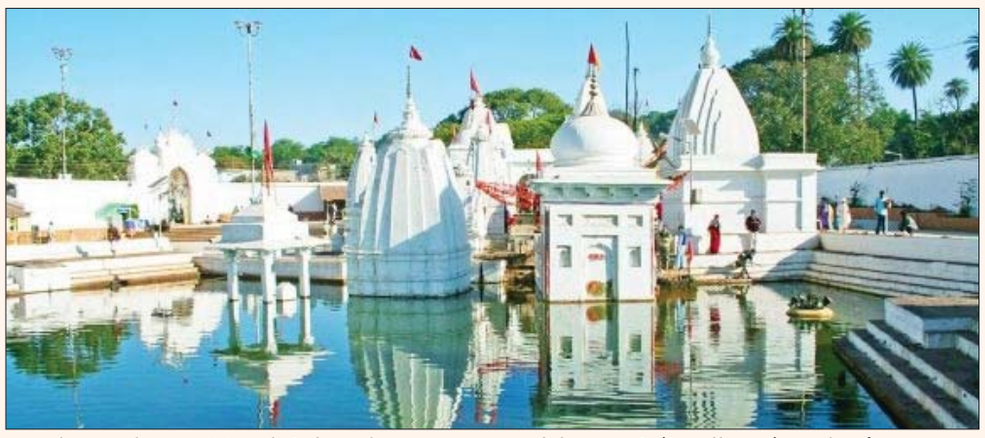

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ की पावन धरती अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन मंदिरों और धार्मिक आस्थाओं के लिए देशभर में विशेष पहचान रखती है। इन्हीं पवित्र स्थलों में एक नाम अत्यंत श्रद्धा और गौरव के साथ लिया जाता है, शिवरीनारायण। महानदी, शिवनाथ और जोंक नदियों के त्रिवेणी संगम पर बसा यह नगर केवल एक धार्मिक तीर्थ ही नहीं, बल्कि संस्कृति, स्थापत्य कला, इतिहास और पर्यटन का अद्भुत केंद्र भी है। सदियों से यह स्थान वैष्णव परंपरा, रामायणकालीन मान्यताओं और लोक आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। यह नगर विभिन्न राजवंशों की कला, स्थापत्य और धार्मिक परंपराओं को अपने भीतर समेटे हुए है। यहां के मंदिरों की भव्यता, पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी और धार्मिक मान्यताएं देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

रामायणकालीन आस्था

जनश्रुति के अनुसार यह वही पावन भूमि है जहां माता शबरी ने भगवान श्रीराम को प्रेमपूर्वक जूठे बेर खिलाए थे। शबरी की तपोभूमि होने के कारण इस स्थान का नाम शबरीनारायण

पड़ा, जो समय के साथ शिवरीनारायण के रूप में प्रसिद्ध हुआ। यहां स्थित शबरी देवी मंदिर आज भी भक्तों की गहरी आस्था का केंद्र है। यहां केवल वैष्णव परंपरा ही नहीं, बल्कि शैव, जैन और बौद्ध संस्कृतियों का भी अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। शिवरीनारायण छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक एकता और धार्मिक समरसता का जीवंत प्रतीक है।

स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण

शिवरीनारायण का प्रमुख आकर्षण नर नारायण मंदिर है। बारहवीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। इस मंदिर का निर्माण राजा शबर ने करवाया था। मंदिर की दीवारों और स्तंभों पर की गई सूक्ष्म नक्काशी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। गर्भगृह में भगवान नारायण की अत्यंत सुंदर प्रतिमा स्थापित है, जो खुदाई के दौरान प्राप्त हुई थी। इसके समीप लक्ष्मण की प्रतिमा भी स्थापित है। भगवान विष्णु के दस अवतारों, नवग्रहों तथा विभिन्न देवी-देवताओं का अत्यंत आकर्षक चित्रण मंदिर को विशिष्ट बनाता है। प्रवेश द्वार पर गंगा, यमुना और सरस्वती की मूर्तियों के साथ नाग, कच्छप और मगर जैसे प्रतीकों का अंकन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक दर्शन को दर्शाता है। स्तंभों पर की गई कलाकारी मध्यकालीन शिल्पकला की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। नर नारायण मंदिर के सामने स्थित केशव नारायण मंदिर भी अपनी भव्यता और प्राचीनता के लिए प्रसिद्ध है। बारहवीं शताब्दी के इस मंदिर में भगवान विष्णु की अत्यंत प्राचीन और दिव्य प्रतिमा स्थापित है। मंदिर की संरचना, स्तंभों पर उकेरी गई चित्रकारी तथा पत्थरों पर की गई नक्काशी इसकी कलात्मक समृद्धि को दर्शाती है। मंदिर में भगवान विष्णु के दशावतारों का सुंदर चित्रण किया गया है।

पंचरत्न शैली में निर्मित शबरी देवी मंदिर

भगवान विष्णु के चरणों के समीप जिस स्त्री की प्रतिमा अंकित है, उसे माता शबरी का स्वरूप माना जाता है। पंचरत्न शैली में निर्मित यह मंदिर ईंटों से बना एक सुंदर और प्राचीन मंदिर है। मंदिर की दीवारों और स्तंभों पर विष्णु के चौबीस अवतारों का चित्रण है। यह मंदिर भक्ति, समर्पण और निष्कपट प्रेम का प्रतीक भी है।

चंद्रचूड़ महादेव और जगन्नाथ मंदिर

चंद्रचूड़ महादेव मंदिर शिव भक्ति का प्रमुख केंद्र है। चेदि संवत 919 में निर्मित यह मंदिर क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण साक्ष्य है। यहां प्राप्त कलचुरी कालीन शिलालेख इतिहास और संस्कृति के शोधकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण स्रोत हैं। वहीं वर्ष 1927 में निर्मित जगन्नाथ मंदिर अपनी विशिष्ट संरचना और धार्मिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के समीप स्थित विशाल वटवृक्ष को 'कल्पवट' या 'माधव कटोरा' कहा जाता है। इसकी विशेषता यह है कि इसके पत्ते दोने के आकार के दिखाई देते हैं। माघ पूर्णिमा के अवसर पर यहां भव्य मेले का आयोजन होता है, जो लगभग पंद्रह दिनों तक चलता है।

प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम दृश्य

महानदी, शिवनाथ और जोंक नदियों का संगम इस नगर को आध्यात्मिक और प्राकृतिक दृष्टि से विशेष महत्व प्रदान करता है। संगम का स्वच्छ और शांत वातावरण पर्यटकों को अत्यंत आकर्षित करता है। नदियों के किनारे फैले खेत, हरियाली और शांत परिवेश प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं हैं। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय संगम का दृश्य अत्यंत मनोहारी दिखाई देता है। धार्मिक स्नान, पूजा-अर्चना और नौकायन जैसी गतिविधियां यहां के पर्यटन को और अधिक आकर्षक बनाती हैं।

लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर

शिवरीनारायण में स्थित लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण सिरपुर के सोमवंशी राजाओं ने करवाया था। मंदिर में प्राप्त शिलालेखों में तत्कालीन शासकों का उल्लेख मिलता है। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग अद्भुत है। लोककथाओं के अनुसार लंका विजय के बाद अयोध्या लौटते समय लक्ष्मण किसी रोग से पीड़ित हो गए थे। तब उन्होंने यहां भगवान शंकर की आराधना कर सवा लाख शिवलिंग स्थापित किए और रोगमुक्त हुए। आज भी श्रद्धालु यहां सवा लाख चावल के दाने अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की कामना करते हैं। महाशिवरात्रि और अन्य पर्वों के अवसर पर यहां विशाल मेले का आयोजन होता है। शिवरीनारायण के पास भगवान शिव की विशाल प्रतिमा की पूजा 'दूल्हादेव' के रूप में की जाती है। शिव के साथ शक्ति और कंकालिन देवी की पूजा ग्राम देवी के रूप में होती है। इसके अलावा आसपास के क्षेत्रों में स्थित अनेक छोटे-बड़े मंदिर और ऐतिहासिक स्थल इस पूरे क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाएं रखते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950